राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 178
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 24 मई 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में इंटरनल ट्रांसफर

पेज 4 वाराणसी में इलाज करा रहे नक्सली का भतीजा गिरफ्तार

पेज 6 आज हो सकती है टेस्ट टीम के कप्तान की घोषणा, गिल दौड़ में

संक्षिप्त खबरें

नेहा सिंह राठौर पर वाराणसी में एक और एफआईआर

वाराणसी। वाराणसी में भोजपुरी सिंगर नेहा सिंह राठौर पर एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में वाराणसी में यह दूसरी स्त्रङ्क्र है। इससे पहले 27 अप्रैल को लखनऊ के हजरतगंज थाने में नेहा पर एफआईआर दर्ज हुई थी। 12 मई को नेहा के गाने चौकीदरवा कायर बा... बेटिया किसानन खातिर बनल जनरल डायर बा... पर विवाद छिड़ा। आरोप लगा कि पीएम को जनरल डायर कहा है। हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 20 मई को नेहा सिंह राठौर के खिलाफ कमिश्नरेट के तीन जोन के 15 थानों में 500 से ज्यादा शिकायतें दीं।

भोपाल में पेड़ से टकराई कार, 3 की मौत

भोपाल। भोपाल के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल है। मृतकों की पहचान प्रीत आहूजा, विशाल डाबी और पंकज सिसोदिया के रूप में हुई है। प्रीत कपड़े की दुकान चलाता था। विशाल उसी की दुकान में काम करता था। हादसे में घायल राहुल कंडारे को चिरायु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक्सीडेंट चिरायु अस्पताल के पास गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि पुलिस और एम्बुलेंस सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका-ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया जा रहा

एक्टर-क्रिकेटर भी शामिल; कोर्ट बोला- कोई कानून जुआ खेलने से नहीं रोक सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि लोग इंडियन प्रीमियर लीग की आड़ में सट्टा लगा रहे हैं और जुआ खेल रहे हैं।
हम जानते हैं कि इसे रोका जाना चाहिए, लेकिन शायद आप इस गलतफहमी में हैं कि इसे कानून के जरिए रोका जा सकता है। कोर्ट ऑनलाइन ऐप को रेगुलेट करने की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, जिस तरह हम लोगों को हत्या करने से नहीं रोक सकते, उसी तरह कोई कानून लोगों को सट्टेबाजी और जुआ खेलने से नहीं रोक सकता। बेंने कहा कि वह केंद्र से पूछेगी कि वह इस मुद्दे पर क्या कर रही है। इसके लिए केंद्र को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। बेंच ने मामले में अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से मदद की मांग की और कहा कि जरूरत पड़ी तो वह बाद में सभी राज्यों से जवाब मांगेगी।

ट्रम्प की धमकी-भारत में आईफोन बनाए तो 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे

एपल से कहा- अमेरिका में ही फैक्ट्री लगाएं; पहले बोले थे- भारत अपना ख्याल रख लेगा

▸ पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के सीईओ टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है।

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को एक बार फिर धमकी दी है। शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए।
ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा,
मैंने बहुत पहले एपल के टिम कुक को सूचित कर दिया था कि जो आईफोन अमेरिका में बेचे जाएंगे, वे

अमेरिका में निर्मित किए जाएंगे, न कि भारत या कहीं और। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एपल को कम से कम 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा।

ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बनें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने।
पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के सीईओ टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है।
एपल सीईओ के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी ट्रम्प ने गुरुवार (15 मई) को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में दी। उन्होंने कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा।
इसके बावजूद एपल की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन ने भारत में 1.49 बिलियन डॉलर (करीब 12,700 करोड़) का निवेश किया है। फॉक्सकॉन ने अपने सिंगापुर यूनिट के जरिए बीते 5 दिन में तमिलनाडु के युजहान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में यह निवेश किया है।

उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश, 2 दिन में 60 मौतें

मध्य प्रदेश में पेड़ उखड़े, राजस्थान के 19 जिलों में तेज आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। मौसम विभाग ने शुक्रवार को देश भर के सभी केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ आंधी-बारिश और हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र और गोवा के तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश के साथ ही हीट वेव का रेड अलर्ट भी है।
वहीं, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, गुजरात कर्नाटक जैसे राज्यों में भारी बारिश के साथ हीट वेव का यलो अलर्ट है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में ओले गिरने की चेतावनी जारी की गई है।
राजस्थान के 19 जिलों में आंधी-बारिश और पश्चिमी जिलों में धूलभरी आंधी की चेतावनी जारी की गई है। तीन शहरों में हीट वेव का रेड, एक जिले में ऑरेंज और 12 जिलों में यलो अलर्ट है।
इसके अलावा मौसम विभाग ने बताया कि अरब सागर में लो प्रेशर बना हुआ है। अगले 24 घंटों में इसके डिप्रेशन में बदलने और गोवा-महाराष्ट्र तट की ओर बढ़ने की आशंका है।
उत्तर प्रदेश में बीते दो दिन में आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में 60, जबकि

राजस्थान में दो लोगों की मौत हो गई। यूपी के 64 जिलों में तेज आंधी-बारिश हुई।
गोरखपुर में सबसे ज्यादा 74 मीमी बारिश हुई। नोएडा में 80 किमी की स्पीड से हवा चली।
वहीं, देर शाम मध्य प्रदेश के कई जिलों में मौसम खराब हो गया। आंधी-बारिश की वजह से भोपाल, इंदौर, रायसेन में कई पेड़ उखड़ गए। राज्य के ऊपर से गुजर रहे स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अगले कुछ दिन ऐसा ही मौसम रह सकता है।

राज्यों के अगले दिन के मौसम का हाल

दिल्ली-एनसीआर में 24 मई को भी हल्की बारिश और तेज हवाएं (30-50 किमी) चल सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आज और कल बारिश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में लू का अलर्ट है। राजस्थान के पूर्वी इलाके में बारिश की संभावना है।
पंजाब और हरियाणा में धूल भरी आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड में भारी की बारिश का अलर्ट है। बाढ़ और पेड़ गिरने का भी खतरा है।
कर्नाटक, केरल, गोवा में भारी बारिश की चेतावनी है। मध्य प्रदेश और झारखंड में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलेंगी। बिहार और पश्चिम बंगाल में बारिश और तेज हवा का स्थिति रहेगी।

ममता की सरकार से अपील-संसद का विशेष सत्र बुलाए

नई दिल्ली/श्रीनगर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सरकार से अपील की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।
ममता ने कहा कि आतंकवाद को लेकर भारत का रुख दुनिया को बताने के लिए भारत का ऑल पार्टी डेलिगेशन विदेशों में गया हुआ है। उनके सुरक्षित लौटने के बाद सत्र बुलाया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय हित और संप्रभुता की रक्षा में केंद्र के उठाए गए किसी भी कदम के साथ दृढ़ता से खड़ी है। ममता से पहले

कांग्रेस और सीपीआई ने भी सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग रखी थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी।

विरोध प्रदर्शन

कन्नड़ कार्यकर्ता अभिनेता तमन्ना भाटिया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए, जिन्हें मैसूर सैंडल साबुन बनाने वाली कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) के लिए ब्रांड एंबेसडर चुना गया है।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़...4 नक्सली ढेर

सीआरपीएफ के 300 जवानों ने घेरकर मारा, शव-हथियार बरामद, सुकमा में भी एक नक्सली मारे जाने की खबर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर शुक्रवार को महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सीआरपीएफ के 300 जवानों की टीम ने जंगल के बीच नक्सलियों को घेरकर मारा है। बड़ी संख्या में हथियार बरामद किए गए हैं। मामला कवांडे और नेलगुंडा इलाके का है।
मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की सुबह नेलगुंडा इलाके में नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवानों ने मुंहतोड़

जवाब दिया। लगभग 2 घंटे से रुक-रुककर गोलीबारी हुई।
सर्चिंग के दौरान 4 नक्सलियों के शव, एक सेल्फ लोडिंग राइफल, एक 303 राइफल और एक भरमार बंदूक बरामद की गई। इसके अलावा मौके से वॉकी-टॉकी और नक्सली साहित्य भी बरामद किया गया।
वहीं सुकमा में भी पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में एक नक्सली के मारे जाने की खबर है। सुकमा पुलिस ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। फिलहाल सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रुक-रुककर फायरिंग हुई। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है।
वहीं एक दिन पहले सुकमा-बीजापुर बॉर्डर पर तुमरेल क्षेत्र में पुलिस-नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इसमें कोबरा बटालियन का एक जवान शहीद हो गया है। जवानों को गोली लगी थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी गृहमंत्री विजय शर्मा ने कोबरा बटालियन के मेहुल सोलंकी के पार्थिव शरीर को कंधा दिया।

हैप्पी मॉर्निंग

पप्पू ने पप्पू से पूछा- तू लड़की देखने गया था, क्या लड़की पसंद नहीं आई? शादी क्यों तोड़ दी? गप्पू- यार लड़की तो सुंदर थी लेकिन उसका कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं था...
पप्पू- तो? गप्पू- जो आज तक किसी की न हो सकी, वो मेरी क्या होगी...

शायरी

कुछ भी दरिया ने मदद अपने
पड़ोसी की न की
दूर तक पानी ही पानी था मगर
साहिल जला

पंजाब में भ्रष्टाचार केस में आप विधायक गिरफ्तार

3 बैगों में भरकर दस्तावेज ले गई विजिलेंस टीम, सीएम बोले- अपना हो या पराया भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

जालंधर। पंजाब में आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल से विधायक रमन अरोड़ा को विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीम उन्हें अपने साथ ले गई है। विजिलेंस टीम ने सुबह 8.45 बजे अरोड़ा के अशोक नगर स्थित घर पर रेड की। जिस वक्त विजिलेंस टीम पहुंची, विधायक अरोड़ा कहीं जा रहे थे।
विजिलेंस ने घर के नजदीक मंदिर के मोड़ से उन्हें हिरासत में लिया था। इसके बाद टीम उन्हें घर में ले गई।

जिसके बाद अंदर छानबीन की गई। पुख्ता सबूत हाथ लगने के बाद विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के अनुसार विधायक के पर्सनल असिस्टेंट को भी टीम ने हिरासत में लिया है।
इस पूरे मामले में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा-
चाहे कोई अपना हो या पराया, कोई भी किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार करेगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा
बता दें कि विधायक का केस कुछ दिन पहले गिरफ्तार किए एटीपी से जुड़ा हुआ है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक विधायक पर आरोप है कि जालंधर नगर निगम के जरिए उन्होंने लोगों को नोटिस भिजवाए। फिर रुपए लेकर नोटिसों को रफा-दफा करा दिया। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। अरोड़ा पर एक्शन की तैयारी पहले ही शुरू हो चुकी थी। कुछ दिन पहले ही अरोड़ा की सिक्योरिटी वापस ले ली गई थी। आप नेता एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन सन्नी आहलूवालिया ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि रमन अरोड़ा को अरेस्ट कर लिया गया है। हालांकि रमन अरोड़ा के वकील ने रेड के दौरान गिरफ्तारी से इनकार किया था।

कोरोना को लेकर दिल्ली सरकार की एडवाइजरी

सभी अस्पतालों को तैयारी रखने के निर्देश; बेंगलुरु में 9 महीने का बच्चा पॉजिटिव, देश में कुल 261 मामले

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें।
ये एडवाइजरी ऐसे समय पर जारी की गई है जब चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।
दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि हर पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए

लोक नायक अस्पताल भेजा जाए। सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ डेटा पोर्टल पर डेली अपलोड करनी होगी।
कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
वहीं, हरियाणा में 48 घंटे में 5 मरीज मिले हैं। इनमें 2 महिलाएं शामिल हैं। इन सभी मरीजों की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।
भारत में अब तक कोरोना के 261 नए मामले मिले हैं। केरल में सबसे ज्यादा 95, तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 नए केस मिले हैं। इन नए मामलों के लिए कोरोना के जेएन 1 वैरिएंट को वजह माना जा रहा है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,721.08
+769.09 (0.95%)t
निफ्टी:
24,853.15
+243.45

मौसम

अधिकतम	: 37 डिग्री से0
न्यूनतम	: 29 डिग्री से0
सूयोदय रविवार	: 5 : 29
सूर्यास्त शनिवार	: 7 : 14

सुप्रीम कोर्ट ने पाक्सो के दोषी को सजा नहीं दी

कहा-पीड़ित घटना से ज्यादा कानूनी प्रकिया से परेशान हुई; दोषी ने विक्टिम से शादी कर ली थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (23 मई) को एक ऐसे व्यक्ति को सजा नहीं दी, जिसे पाक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराया गया था। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला सुनाया।
कोर्ट ने कहा, जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ये सच है कि कानून की नजर में यह एक अपराध है, लेकिन पीड़ित को ऐसा महसूस नहीं हुआ। उसे सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात से हुई कि उसे लगातार पुलिस और कोर्ट में जाना पड़ा और आरोपी को सजा से बचाने की कोशिशें करनी पड़ीं।
दरअसल, मामले में युवक को उस समय दोषी ठहराया गया था, जब उसने एक नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। हालांकि, लड़की के बालिग होने पर दोनों ने शादी कर ली और अब वे अपने बच्चे के साथ रह रहे हैं।
कोर्ट ने कहा कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक और मानवीय पहलुओं से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए अनुच्छेद 142 के तहत विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए सजा नहीं दी गई।

फटकार पूछा- स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों जान दे रहे, इसे रोकने के लिए अब तक क्या किया

छात्र सुसाइड केस, सुप्रीम कोर्ट की राजस्थान सरकार को फटकार

कोटा। स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई।
सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया?
सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआईटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

क्या है पूरा मामला

4 मई को एनईईटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। 4 मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी।
इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई को स्वत: संज्ञान लिया था।
आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे ह˚ ˙ कि प्रशासन ने अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं।वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

संपादकीय

जहरीली शराब : एक सामाजिक त्रासदी और सरकारी तंत्र की निष्ठुर निष्क्रियता

भारत के कई राज्यों में बार-बार दोहराई जाने वाली एक त्रासदी है— जहरीली शराब से मौतें। उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में इन घटनाओं ने अब तक सैकड़ों ज़िंदगियाँ निगल ली हैं। हर बार मीडिया में शोर होता है, नेता बयान देते हैं, कुछ गिरफ्तारियाँ होती हैं, लेकिन फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। क्यों ? क्योंकि इस त्रासदी के पीछे छिपी है सरकारी तंत्र की विफलता, भ्रष्टाचार, और राजनीतिक मिलीभगत।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

जहरीली शराब : मौत का धंधा

इस जहरीले धंधे का केंद्र है मिथाइल अल्कोहल—एक ऐसा ज़हर जो शरीर को अंधा, अपंग या मृत बना देता है। इसे बेचा जाता है गरीबों को, मज़दूरों को—जो दो जून की रोटी के बाद सस्ती शराब में राहत ढूंढते हैं। गांव-देहात, झुग्गी-झोपड़ियाँ और शहरों की निम्न आयवर्ग की बस्तियाँ इस मौत की मंडी का सबसे बड़ा बाज़ार बन चुकी हैं।

सरकार क्यों नहीं जागती?

1. **भ्रष्टाचार की जड़ें :** अवैध शराब के पीछे खड़ा है अरबों का नेटवर्क, जिसमें प्रशासन, पुलिस और सत्ता के संरक्षण की बू आती है। थाने की नाक के नीचे शराब बिकती है, लेकिन एफआईआर तक नहीं होती। क्यों ? क्योंकि यह सिर्फ अपराध नहीं, संरक्षित व्यापार बन चुका है।
2. **नीतिगत खोखलापन :** भारत में शराब नीति राज्यों के अधीन है, और यही इसकी कमजोरी है। कोई राष्ट्रीय समन्वय नहीं, कोई ठोस निगरानी तंत्र नहीं, और टेक्नोलॉजी का नगण्य उपयोग। यह नियोजन की नहीं, नीयत की समस्या है।
3. **गरीबी और बेबसी का बाज़ार :** एक गरीब जब दो रुपये सस्ती शराब में ज़हर पीता है, तो वह सरकार की नीतियों पर नहीं, अपनी किस्मत पर भरोसा करता है। सरकारों ने कभी इस वर्ग को विकल्प नहीं दिए।
4. **कानून की लचर पकड़ :** हर कांड के बाद कुछ आरोपी पकड़े जाते हैं, मीडिया दिखाता है, लेकिन सज़ा ? शायद ही कभी। नतीजा— माफिया का मनोबल और मजबूत होता है।

समाधान क्या हो सकता है?

- **कठोर और त्वरित सजा :** विशेष अदालतें बनाकर ऐसी घटनाओं पर त्वरित सुनवाई और सख्त सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।
- **टेक्नोलॉजी आधारित निगरानी :** शराब निर्माण और वितरण को ट्रैक करने के लिए क्यूआर कोड, जीआईएस ट्रैकिंग, और रासायनिक विश्लेषण जैसे उपाय अपनाने होंगे।
- **जागरूकता नहीं, चेतावनी चाहिए :** लोगों को सिर्फ जानकारी नहीं, चेतावनी दी जानी चाहिए कि यह ज़हर है। स्कूलों, पंचायतों, और कामगारों के बीच अभियान चलाएं।
- **बेरोज़गारी और अशिक्षा से लड़ाई :** दीर्घकालिक योजनाएं लाकर इस वर्ग को सम्मानजनक काम और शिक्षा दी जाए ताकि वे मौत नहीं, जीवन का विकल्प चुन सकें।

निष्कर्ष

जहरीली शराब से होने वाली मौतें स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक मुनाफाखोरी और सामाजिक अनदेखी की चुपचाप कब्रगाह हैं। यह केवल पुलिस का मामला नहीं, यह सरकार की नैतिक विफलता है।

अब समय आ गया है कि हर नागरिक सवाल करे—

हमारे देश में मौत इतनी सस्ती क्यों है?

जब तक सरकारें वोट से पहले ज़हर बांटने वालों को रोकने का साहस नहीं दिखाएँगी, तब तक ये लाशें हमारी चेतना को झकझोरती रहेंगी।

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संगृहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है। एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुनः अपनाया जा रहा है।

संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है।

यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है। 2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।

भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।

परमाणु बम का हौवा बरकरार रहने की आशंका

हाल ही में भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान उभरे हालात के मद्देनजर भारतीय उपमहाद्वीप में परमाणु युद्ध के खतरे को हलके में लेना दुस्साहस ही कहा जाएगा। पाकिस्तान की परमाणु धमकी जगजाहिर है। वहीं भारत का नया दावा भी अहम है कि वह परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। दरअसल, बड़ा खतरा पूर्ण युद्ध का है।

मनोज जोशी

शेक्सपियर के मशहूर नाटक मैकबेथ के चरित्र बैंको के भूत की तरह, परमाणु हथियारों का साया हाल के दशकों में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षों पर रह-रहकर मंडराता रहा है। नकारने के बावजूद, ऑपरेशन सिंदूर पर भी यह मंडराता रहा।

पिछले इतिहास को देखने पर, वास्तविक परमाणु युद्ध का जोखिम हालांकि बहुत कम, लगभग नगण्य लगता रहा है। लेकिन जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई हैं, कई राहें दिखाई देनी लगी हैं,जो भयावह अंजाम की ओर ले जा सकती हैं। इन संभावनाओं की गंभीरता ने ही अमेरिका को इस युद्ध से दूरी बनाए रखने के अपने पहले रुख को तजकर, त्वरित सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने और दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम करवाने में मदद करने को सक्रिय किया। भारत का कहना है कि यह युद्ध विराम द्विपक्षीय रहा, लेकिन इतना तो स्पष्ट है कि यह 'अंकल सैम' (ट्रंप) की मध्यस्थता से बना है, जो अब हमें इसके बारे में बार-बार याद दिलाते नहीं थक रहे।

बीती 12 मई को कतर की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर व्हाइट हाउस में बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा ="मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल युद्धविराम करवाने में मदद की, मुझे लगता है यह स्थायी होगा, इस तरह बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों से लैस इन दो मुल्कों के बीच खतरनाक संघर्ष समाप्त हो गया'। इससे एक दिन पहले, उन्होंने 'मौजूदा आक्रामकता' को खत्म करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी नेतृत्व की प्रशंसा की थी और कहा कि 'लाखों भले और निर्दोष लोग अन्यथा मारे जाते'।

टकराव बनने से पहले ही, पाकिस्तान ने परमाणु घुड़की देनी शुरू कर दी थी। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि पानी को रोकने या मोड़ने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और इसका जवाब राष्ट्रीय शक्ति और उपलब्ध तमाम संसाधन का उपयोग करके दिया जाएगा'। यहां पर 'तमाम संसाधन' का अभिप्राय स्पष्ट रूप से परमाणु हथियार था। फिर, जैसे-जैसे संकट बढ़ता गया, पाकिस्तान और ज्यादा परमाणु घुड़कियां देने लगा। बता दें कि 10 मई को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक बुलाई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा परमाणु हथियारों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बाद में पाकिस्तान आसानी से इससे मुकर गया।

परमाणु हथियारों से संबंधित घटनाक्रमों को लेकर बहुत सी भ्रामक सूचनाएं फैलीं। ऐसी ही एक खबर में बताया गया कि किराना हिल्स पर भारतीय हमले के तुरंत बाद, जहां कथित तौर पर कुछ पाकिस्तानी परमाणु हथियार रखे हुए हैं, एक बीचक्राफ्ट सुपर किंग एयर 350 विमान सरगोधा में उतरा है – जो कथित तौर पर अमेरिकी ऊर्जा विभाग का है।

बाद में पता चला कि यह विमान सच में पहले अमेरिकी एजेंसी का था, जिसे पाकिस्तान ने 2010 में खरीद लिया था और इसकी उपस्थिति का परमाणु एंगल से कुछ लेना-देना नहीं था।

भारत ने इस बात से इनकार किया कि उसने सरगोधा के नज़दीक मुशाफ एयरबेस से लगभग 15 किमी. दूर स्थित किराना हिल्स पर कोई हमला किया है। लेकिन हां, किराना हिल्स के मुहाने पर स्थित दो सैन्य ठिकानों पर भारतीय हमले के सबूत अवश्य हैं। यहां स्पष्ट करना होगा कि रावलपिंडी के पास नूर खान वायुसेना अड्डा, कराची के पास मलीर और किराना हिल्स पर भारतीय हमलों का मकसद कुछ ऐसा ही संदेश देना था। क्योंकि इन जगहों पर या इनके आसपास ही कहीं पाकिस्तान के परमाणु हथियार रखे होने के कयास हैं।

यह 12 मई को और भी स्पष्ट हो गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि 'भारत परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा और परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक हमला करेगा'।

यह एक नया सैद्धांतिक रुख है, क्योंकि पिछले 40 वर्षों में भारत ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना किया है, यह परमाणु कारक ही था जिसने भारत के हाथ बांध रखे थे। गत 13 मई को अपने आधिकारिक व्यक्तव्य में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संघर्ष विराम करवाने में ट्रम्प के दावों को खारिज कर दिया और इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय 'सैन्य कार्रवाई का तरीका पूरी तरह से पारंपरिक था'।

भारत का अपना परमाणु सिद्धांत है, जो कहता है कि उसके परमाणु हथियार केवल भारत या भारतीय सेना पर कहीं भी परमाणु, रासायनिक या जैविक हथियार हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए हैं। जबकि पाकिस्तान का कोई घोषित सिद्धांत नहीं है, लेकिन उसने कई बार दावा किया है कि उसके आण्विक हथियारों का लक्ष्य भारत है, जिनका इस्तेमाल वह तब करेगा जब उसे बड़ी इलाकाई हानि पहुंचे या प्रमुख सैन्य सीमा नष्ट किए जाने पर या फिर आर्थिक रूप से गला घोंटने की कोशिश की जाए।

परमाणु युद्ध की संभावना को नज़रअंदाज़ करना सरासर मूर्खता होगी, भले ही अपनी ओर से प्रयास युद्ध के तौर-तरीके पारंपरिक लड़ाई वाले बनाए रखने का हो। पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) के ठिकानों पर हालिया भारतीय हमलों में यह खतरा स्पष्ट रूप से बन चला था। ऑपरेशन सिंदूर के हमले सीमित रखे गए थे – पहले पहल केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया, बाद में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए, जब पाकिस्तान वायुसेना ने भारतीय वायु क्षेत्र में भारतीय विमानों पर वार किया। मुख्य संघर्ष 48 या उससे कुछ अधिक घंटों तक सीमित रहा।

एक वास्तविक युद्ध में, यहां तक कि दो या तीन सप्ताह तक चलने वाले युद्ध में भी, अमूमन बमबारी काफी सघन होती है। इसी से समस्या हो सकती है। अभी तक, भारत की नीति लड़ाई में अपने परमाणु हथियार अलहदा रखने की रही है – रिवायती हथियारों और परमाणु विकल्प पर नियंत्रण अलग-अलग है – ताकि परमाणु सुरक्षा पर राजनीतिक अंकुश बना रहे। लेकिन पाकिस्तान के मामले में, जहां सेना ही सब कुछ चलाती है, हथियार और परमाणु निर्णय, दोनों सेना के हाथ में हैं।

एक फुल स्केल वॉर में, भले ही भारत का इरादा युद्ध शैली पारंपरिक रखने तक सीमित हो, एक बड़ा खतरा यह होता है कि अनजाने में सही, मजबूत से मजबूत बंकर तक को भेदने में समर्थ मिसाइलें जैसे स्कैल्प यानी स्टॉर्म शैडो,, क्रिस्टल मेज़ और पेववे का उपयोग करते वक्त कहीं ऐसा न हो कि वे दुश्मन के परमाणु हथियार भंडार स्थलों को भी नुकसान पहुंचा दें।

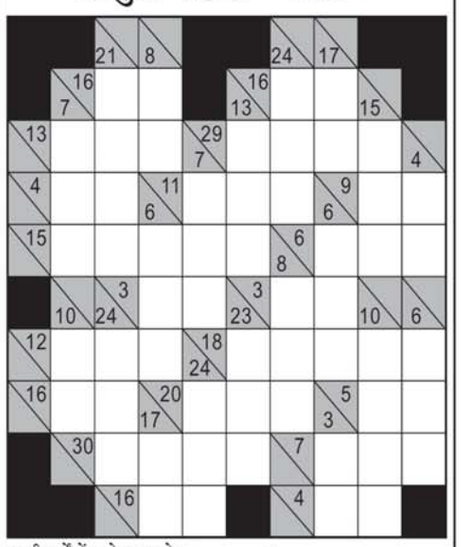

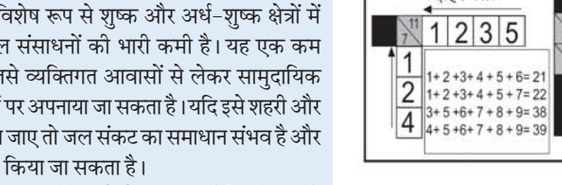

इस तरह बिना इरादा किए, परमाणु शस्त्रागार का नुकसान अगर इस हद तक हो जाए कि उसके लिए 'उपयोग करूं या इन्हें खो दूं' वाली दुविधा बन जाए, तो इस स्थिति में खुद को पाकर, हो सकता है पाकिस्तान पूर्ण रूपेण परमाणु हथियारों का उपयोग करने को मजबूर हो जाए।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3539

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3538 का हल

हंसी के फूव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देखा चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

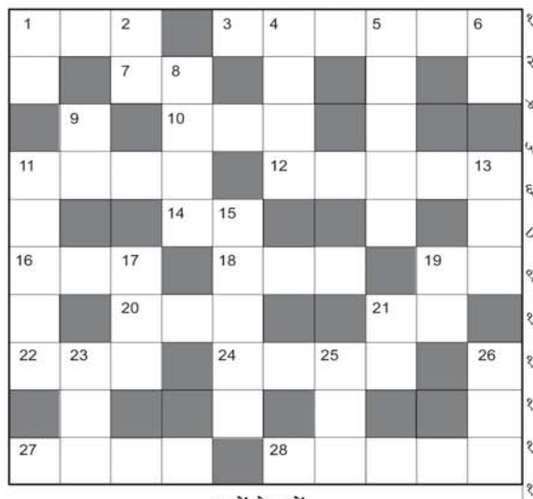

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3539

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3538

सूडोकु -3539

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3538 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 3539

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -3538 का हल

जेपी इंफ्राटेक पर ईडी की रेड

12 हजार करोड़ की धोखाधड़ी मामले में सर्चिंग, 15 ठिकानों पर पहुंची टीम

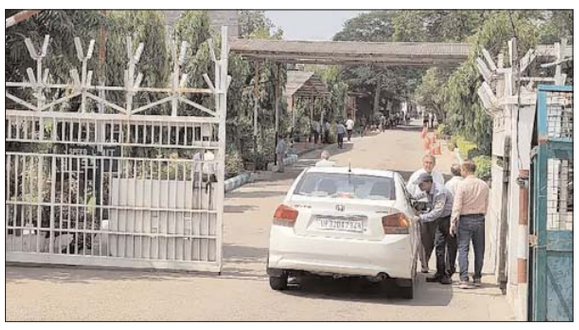

नोएडा। प्रवर्तन निदेशालय ने जेपी इंफ्राटेक से जुड़े प्रोजेक्ट पर रेड की है। 12 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में सर्चिंग चल रही है। इसमें होमबायर्स और निवेशकों के साथ धोखा और फंड्स की हेराफेरी का आरोप है। श्नष्ठ दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में स्थित जेपी इंफ्राटेक, जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड और उनसे जुड़ी अन्य कंपनियों जैसे गौरसंस, गुलशन, महागुन और सुरक्षा रियल्टी के 15 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है।

ईडी को शक है कि बड़ी मात्रा में फंड्स को डायवर्ट कर मनी लान्ड्रिंग की गई है। यह कार्रवाई उन हजारों होमबायर्स के लिए उम्मीद है, जो सालों से अपने घर का इंतजार कर रहे हैं।

हाल ही में ईडी ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से जेपी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट से संबंधित फाइल मांगी थी। जिसमें बड़ी अनियमितता की बात सामने आ रही है। ऐसे में सेक्टर-128 से सेक्टर-132 तक के सभी प्रोजेक्ट जो जेपी इंफ्राटेक में आते है, यहां रेड जारी है।

इन दस्तावेजों के आधार पर रेड

ईडी प्रोजेक्ट से संबंधित स्वीकृत पत्र, ले आउट प्लान, बकाया, रजिस्ट्री के अलावा इनके को डेवलपर्स की जानकारी के आधार पर रेड कर रही है। बिल्डर बायर्स और बैंक एग्रीमेंट के दस्तावेज भी खंगाले जा रहे है। बताया गया कि लोन के लिए लगाए गए अधिकांश दस्तावेज साठगांठ करके तैयार किए गए।

17 हजार बायर्स को नहीं मिला फ्लैट

यहां दस्तावेजों को जब्त किया जा रहा है। साथ ही सेल ऑफिस में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। ईडी ने नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना से Orchards , kasa isles , kensington Boulevard, Kensington park , Krescent Homes , Kosmos , Klassic के दस्तावेज लिए थे। इनकी फाइल भी चेक की जा रही है। डिजिटल दस्तावेज को देखा जा रहा है।

26 बिल्डरों की ले चुकी जानकारी

बता दे ईडी ने नोएडा प्राधिकरण से 9 बिल्डरों की जानकारी मांगी थी। इसी तरह यमुना और ग्रेटरनोएडा विकास प्राधिकरण से भी जानकारी मांगी थी। इस तरह से कुल 26 बिल्डरों की जानकारी ली गई है। जिनके यहां भी ईडी रेड कंडक्ट कर सकती है। हालांकि अभी जेपी इंफ्रा से जुड़े प्रोजेक्ट के दस्तावेज खंगाल रही है।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में इंटरनल ट्रांसफर

कई अधिकारियों के प्रभार को बढ़ाया गया, प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखकर किया फेरबदल

एजेंसी

नोएडा। नोएडा पुलिस कमिश्नर ने प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए इंटरनल ट्रांसफर किए है। इसमें डाक्टर प्रवीन रंजन सिंह अपर पुलिस उपायुक्त गौतमबुद्धनगर से अपर पुलिस उपायुक्त यातायात एवं अतिरिक्त प्रभार अपर पुलिस उपायुक्त कानून एवं व्यवस्था, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का दिया गया है। इसी तरह मनीषा सिंह अपर पुलिस उपायुक्त गौतमबुद्धनगर से अपर पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा एवं अपर पुलिस उपायुक्त साइबर बनाया गया। अजीत कुमार सिंह को सहायक पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर से सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय नोएडा, विवेक रंजन राय सहायक पुलिस आयुक्त साइबर (सहायक पुलिस आयुक्त द्वितीय नोएडा का अतिरिक्त प्रभार हटाया गया) इसके अलावा हेमन्त उपाध्याय सहायक पुलिस आयुक्त आंकिक साइबर द्वितीय से सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेंट्रल नोएडा, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर और राजीव कुमार गुप्ता सहायक पुलिस आयुक्त प्रथम सेंट्रल नोएडा से सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय/आंकिक एवं साइबर द्वितीय, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर बनाया गया।

इस तरह के इंटरनल ट्रांसफर समय समय पर पुलिस आयुक्त की ओर से किए जाते रहे है। ताकि पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर और सुदृढ़ किया जा सके।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा

बकास की रिपोर्ट के बाद डीजीसीए से लाइसेंस के लिए करेंगे आवेदन

गौतम बुद्ध नगर। जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सिविल और कंस्ट्रक्शन कार्य पूरा हो गया है। वर्तमान में फिनिशिंग का काम चल रहा है। बकास ने एयरपोर्ट का इंस्पेक्शन कर लिया है और अब उनकी रिपोर्ट का इंतजार है।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ और 'नायल' के चेयरमैन अरुणवीर सिंह ने बताया कि 31 तक बकास की रिपोर्ट आने की उम्मीद है। रिपोर्ट मिलने के बाद डीजीसीए में लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। लाइसेंस की प्रक्रिया में लगभग एक से डेढ़ महीने का समय लगेगा।

मुख्य सचिव ने स्वयं मौके का निरीक्षण किया और टाटा के अधिकारियों से मुलाकात की। फिनिशिंग कार्य को तेज करने के लिए टाटा प्रोजेक्ट के अन्य स्थानों से कुशल श्रमिकों को यहां स्थानांतरित किया गया है।

एयरपोर्ट में अब केवल तीन काम शेष हैं – वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट और एयरपोर्ट लॉबी तक इंटरचेंज का निर्माण। डीजीसीए से लाइसेंस मिलने के बाद सुरक्षा प्रक्रियाएं शुरू होंगी। सीआईएसएफ पूरी ड्रिल करेगी, जिसके बाद ही एयरपोर्ट की सभी प्रक्रियाएं पूरी होंगी।

पेंशनर्स के लिए जीवन प्रमाण पत्र भरना हुआ आसान

गौतमबुद्धनगर। वरिष्ठ कोषाधिकारी गौतम बुद्ध नगर शिखा गुप्ता ने जनपद के समस्त पेंशनर्स को जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनर्स द्वारा वर्ष में एक बार किसी भी माह में जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत किए जाने की व्यवस्था है, जो कि अगले 01वर्ष तक प्रभावित रहता है। वर्तमान में कोषागार में उपस्थित हुए बिना भी किसी भी पेंशनर द्वारा अपना जीवित प्रमाण पत्र अपनी बैंक शाखा के माध्यम से, कोषागार में स्वयं उपस्थित होकर अथवा जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से, अपने निवास से, अपने मोबाइल से भी प्रेषित कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनर को अपने मोबाइल पर गूगल प्ले स्टोर द्वारा आधार फेस आई0डी0 ऐप डाउनलोड कर जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है, जो की बहुत ही सुविधाजनक है।

किसान यूनियन ने तहसील में दी आंदोलन की चेतावनी

6 मांगों का ज्ञापन सौंपा, एसडीएम ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

जेवर। ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत के नेतृत्व में शुक्रवार को तहसील परिसर में बैठक हुई। किसान नेताओं ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को 6 मांगों का ज्ञापन सौंपा। उपजिलाधिकारी ने सभी मांगों पर विचार कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

जिलाध्यक्ष श्यामवीर नागर ने कहा कि अगर मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ तो तहसील परिसर में आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बॉबी नागर और मेरठ मंडल महासचिव रविंद्र नागर मौजूद थे। इसके अलावा जिला मीडिया प्रभारी सुमित नागर, तहसील अध्यक्ष वेदपाल शर्मा और युवा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह भी शामिल हुए। ओमप्रकाश, जगत सिंह, धीरज प्रमुख, लीले, जयकिशन, गजराज, हरिंद्र नागर, रोहित नागर, रोहतास नागर, पंकज और सहदेव मोहन पंडित समेत कई कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे।

नोएडा में साइबर ठगी का नया मामला

भाई के दोस्त के नाम पर महिला के खाते से 77 हजार रुपये निकाले

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में एक महिला के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। सक्का गांव की रहने वाली महिला के बैंक खाते से ठग ने 77 हजार रुपये निकाल लिए। गुरुवार दोपहर को एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला को फोन किया और खुद को उसके भाई का दोस्त बताया। आरोपी ने कहा कि वह उनके खाते में कुछ पैसे भेजना चाहता है।

इसके बाद उसने महिला को व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। महिला ने लिंक को खोल दिया और आरोपी के बताए सभी निर्देशों का पालन किया। पीड़िता के पति ने बताया कि पांच अलग-अलग लेनदेन में उनके खाते से कुल 77 हजार रुपये निकल गए। जब उन्होंने आरोपी को फोन किया, तो उसने कॉल रिसीव नहीं की।

ठगी का पता चलने पर पीड़िता के पति ने शुक्रवार को दनकौर कोतवाली की साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने लोगों को सचेत किया कि अनजान व्यक्तियों द्वारा भेजे गए लिंक कभी नहीं खोलने चाहिए और बैंक से जुड़ी जानकारी किसी से साझा नहीं करनी चाहिए।

सेक्टर-11 में दूषित जल आपूर्ति, लोगों की बढ़ी परेशानी

नोएडा। सेक्टर-11 में गुरुवार को दूषित जल की आपूर्ति होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे लोगों का दैनिक कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने बताया कि सेक्टर में काफी दूषित जल की आपूर्ति हो रही है। पानी इतना दूषित था कि दैनिक कार्य में भी प्रयोग करने लायक भी नहीं है। लोगों को बाजार से बोतलबंद पानी लाना पड़ा। उन्होंने बताया कि दूषित जल की शिकायत प्राधिकरण के जल विभाग से की है। उम्मीद है कि जल्द समाधान हो जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर से बच्चियों को सुरक्षित रखने हेतु जिला प्रशासन सक्रिय

गौतम बुद्ध नगर। सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से लड़कियों को सुरक्षित रखा जा सके इस उद्देश्य से आज डीएम मनीष कुमार वर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में जिला प्रशासन व भारत सरकार टकसाल नोएडा के मध्य 89 लाख रुपए का एम.ओ.यू. साइन किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत सरकार टकसाल नोएडा द्वारा जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सुपरविजन में 09 से 20 वर्ष तक की लड़कियों का दो चरणों में वैक्सीनेशन किया जाएगा, पहले वैक्सीनेशन के बाद दूसरी वैक्सीन 6 महीने के बाद लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि आज जो एम ओ यू भारत सरकार टकसाल नोएडा के मध्य हुआ है, इसके तहत जनपद की 9 से 20 वर्ष तक की 2500 लड़कियों का वैक्सीनेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैक्सीनेशन के लिए अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे को नोडल अधिकारी तथा जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री को सहायक मॉडल अधिकारी बनाया गया है।

जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

वर्षा जल संचय हेतु जनपद में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम रहे सक्रिय

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 04 आवेदनों को स्वीकृत किया जाना है, 05 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 31 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है।

शेष 13 आवेदन में संबंधित प्राधिकरणों से आख्या प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जनपद में भू-जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू-जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही कहा कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए।

प्रदेश के राज्य पक्षी को संरक्षित रखेगा धनौरी वेटलैंड

यीडा 3.5 करोड़ रुपए से होगा जीर्णोद्धार, दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर भी करेंगे सहयोग

नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण धनौरी वेटलैंड का जीर्णोद्धार करेगा। इसके लिए 3.5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह वेटलैंड 100 से अधिक सारस क्रेन का घर है।

ये पक्षी उप्र का राज्य पक्षी है। साथ ही कई अन्य प्रवासी पक्षी भी यहां प्रवास करने आते है। यह कदम 5 मई को एनजीटी द्वारा जारी निर्देशों के बाद उठाया गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास करीब 113 हेक्टेयर में बसा ये वेटलैंड जलकुंभी , प्रतिबंधित जल प्रवाह और अतिक्रमण के कारण अपना अस्तित्व खो रहा है।

यहां वन विभाग की ओर से कई बार जल कुंभी को हटाने का प्रयास किया गया। यीडा अधिकारियों के अनुसार 2022 में 18 लाख रुपए और 2023 में वन विभाग को 90 लाख रुपए का वित्तीय वितरण किए जाने के बावजूद, वेटलैंड की जल सतह का केवल एक हिस्सा ही साफ किया गया।

हटाए गए अधिकांश बायोमास को वेटलैंड के चारों ओर टीलों में छोड़ दिया गया, जिससे प्रत्येक मानसून के दौरान जलकुंभी की वृद्धि फिर से शुरू हो गई।

5 मई को एनजीटी की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता और पक्षी विद् आनंद आर्य के वकील ने वेटलैंड की बिगड़ती स्थिति और जलकुंभी की बेकाबू वृद्धि को चिह्नित किया। जवाब में ङ्घश्वढ्ढ्ढ ने कहा कि हर संभव कार्रवाई की जाएगी और तीन सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट दायर की जाएगी।

दिल्ली के यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के साथ करेंगे काम

यीडा के सीईओ अरुण वीर सिंह ने कहा कि प्राधिकरण दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण प्रबंधन केंद्र के पारिस्थितिकी विद् डॉ. फैयाज खुदसर के साथ मिलकर काम करेगा।

जिन्होंने पहले वेटलैंड का सर्वेक्षण किया था। डॉ. खुदसर याचिकाकर्ता आर्य के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर जलकुंभी हटाने के काम का मार्गदर्शन करेंगे।

वन विभाग की बजाय प्राधिकरण करेगा देखभाल

वन विभाग के बजाय, हम सीधे धनौरी वेटलैंड की देखभाल करेंगे। प्राधिकरण का हॉर्टिकल्चर और सिविल इसका समन्वय करेंगे। इस महीने के अंत में डॉ. खुदसर और आर्य के समन्वय में हमारी टीम द्वारा सर्वेक्षण किए जाने के साथ ही काम तुरंत शुरू हो जाएगा।

हमें उम्मीद है कि सर्वेक्षण के बाद 15 दिनों के भीतर 40 लोगों के कार्यबल की मदद से जलकुंभी को पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, यहां पानी के लिए सिचाई विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा।

सिविल सेवा प्री-परीक्षा 2025 जनपद में 44 परीक्षा केंद्रों पर होगी आयोजित

डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शारदा विश्वविद्यालय में तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

गौतमबुद्धनगर। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली की मंशा के अनुरूप जनपद में आगामी 25 मई को दो पालियों में होने वाली सिविल सर्विसेज प्री परीक्षा-2025 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुचीता के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज शारदा विश्वविद्यालय नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा के ऑडिटोरियम में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में 44 परीक्षा केंद्रों पर होने वाली परीक्षा की तैयारियों को लेकर सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारीगण अपनी तैयारियां संघ लोक सेवा आयोग के मानकों के अनुरूप परीक्षा से पूर्व पूर्ण कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में तीन अवैध यूनिपोल हटाए

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अवैध यूनिपोल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन यूनिपोल को हटा दिया है। प्राधिकरण के अर्बन सर्विस विभाग ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटैड़ा पेट्रोल पंप के पास से दो और शाहबेरी से एक यूनिपोल को हटाया है। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान ने जानकारी दी कि एसीईओ प्रेरणा सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि हटाए गए यूनिपोल को जब्त कर लिया गया है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्राधिकरण यूनिपोल लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया का पालन करता है। इसके बावजूद कुछ लोग बिना अनुमति के यूनिपोल लगा देते हैं। इससे पहले भी प्राधिकरण 50 से अधिक अवैध यूनिपोल हटा चुका है। प्राधिकरण अब अवैध यूनिपोल लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी करेगा।

बदसलूकी का विरोध करने पर चाचा-भतीजे से मारपीट

ग्रेटर नोएडा। जेवर क्षेत्र के सिरसा खादर गांव में ट्यूबवेल के पानी में नहाते समय नशे में धुत युवकों ने गाली-गलौज का विरोध करने पर चाचा-भतीजे से मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जेवर क्षेत्र के सिरसा खादर गांव शिव सिंह के परिवार के सदस्य बुधवार को खेत में ट्यूबवेल के पानी से सिंचाई कर रहे थे। इसी बीच पड़ोसी गांव के कुछ युवक वहां पहुंचे और ट्यूबवेल के पानी में नहाने लगे। आरोप है कि नशे में धुत युवक नहाते समय तेज आवाज में गाली-गलौज करने लगे। शिव सिंह के चाचा और भाई ने बदसलूकी का विरोध किया तो आरोपी युवक उग्र हो गए। उन्होंने अपने कुछ साथियों को बुलाकर चाचा-भतीजे के साथ मारपीट की। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने इस मामले में शिव सिंह की शिकायत पर बंटी, गौरव आकाश समेत आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिजली की समस्या : कलेक्ट्रेट पहुंचें किसान

ग्रेटर नोएडा। कुलेसरा, लखनावली और सुत्याना गांव के अलावा यहां स्थित कालोनियों में रहने वाले लोग खराब ट्रांसफार्मर को बदलने, क्षमता बढ़ाने और तीन कालोनियों में कनेक्शन दिए जाने आदि मांगों को लेकर गुरुवार को सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत किया और उनके प्रतिनिधि मंडल की जिला प्रशासन और एनपीसीएल के अधिकारियों से वार्ता कराई गई। पांच मांगों में से चार को पूरा करने का आश्वासन दिया है। प्रदर्शन एकता संघर्ष समिति के नेतृत्व में किया गया। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हिंडन नदी के किनारे बसी कालोनियों में कई सालों से बिजली की समस्या चल रही है। कुलेसरा, लखनावली और सुत्याना की कई कालोनियों में यह संकट पिछले डेढ़ महीने से और बढ़ गया है। एकता संघर्ष समिति के रूपेश ने बताया कि कुलेसरा और सुत्याना गांव की सभी कालोनियों के खराब पड़े सभी ट्रांसफॉर्मर को ठीक कराए जाने और लोड बढ़ाने के साथ श्याम विहार कालोनी, ट्रांसफॉर्मर लगाने का अधिकारियों ने आश्वासन दिया है।

आधार कार्ड बांटने में की लापरवाही

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पोस्ट ऑफिस के बाहर नाली में सैकड़ों आधार कार्ड बहते हुए मिले। स्थानीय लोगों ने इन कार्ड को एकत्र कर फोटो और वीडियो बनाए। यह आधार कार्ड लोगों को वितरण के लिए आए थे। लोग दिल्ली या अन्य स्थानों से अपने आधार कार्ड अपडेट या नए बनवाते हैं। फिर ये कार्ड संबंधित पोस्ट ऑफिस को भेजे जाते हैं। पोस्ट ऑफिस से लोगों तक ये कार्ड पहुंचाए जाते हैं। गुरुवार शाम को यह घटना सामने आई। स्थानीय निवासियों ने इसकी सूचना सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि आधार कार्ड बनवाने में काफी मेहनत लगती है। विभाग की लापरवाही से ये कार्ड खराब हो गए। अब ये कार्ड लोगों तक नहीं पहुंच पाएंगे। स्थानीय लोगों ने इस मामले की शिकायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से करने की बात कही है। इस मामले में विभागीय अधिकारियों से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बाइक सवारों ने राहगीर से मोबाइल छीना

नोएडा। छपरौली गांव के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने घर लौट रहे व्यक्ति का मोबाइल फोन छीन लिया। बदमाशों ने पीड़ित को धक्का देकर नीचे गिराने का भी प्रयास किया। एक्सप्रेसवे थाने में दी शिकायत में छपरौली गांव के गली नंबर एक में रहने वाले विनय कुमार ने बताया कि वह बीते दिनों रात दस बजे के करीब लोटस जिंग सोसाइटी के सामने से पैदल ही अपने कमरे की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश आए और उनका मोबाइल झपटकर ले गए। आरोपियों ने धक्का देकर उन्हें गिराने का भी प्रयास किया। उन्होंने कुछ दिन पहले ही नया मोबाइल लिया था। वारदात के बाद वह अपने गृह जनपद मेरठ चले गए। वहां से लौटने के बाद थाने में शिकायत दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से बदमाशों की पहचान कर ली है।

शाहबेरी में सड़क चौड़ीकरण का काम पूरा

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी में ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान हो गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शुक्रवार से सड़क को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के बीच हजारों वाहन रोजाना शाहबेरी बाजार से गुजरते हैं। संकरे रास्ते के कारण यहां जाम की स्थिति बनी रहती थी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर शाहबेरी रोड को चौड़ा किया गया। परियोजना विभाग की टीम ने दो माह से कम समय में यह काम पूरा कर लिया। निर्माण के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन किया गया था। इससे चारमूर्ति गोलचक्कर पर वाहनों का दबाव बढ़ गया था। अब नई सड़क खुलने से यहां भी भीड़ कम होगी। करीब 4 करोड़ रुपये की लागत से सड़क और नाली का निर्माण किया गया। अब शाहबेरी रोड दोनों तरफ से डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़ी हो गई है। निर्माण कार्य के दौरान एसीईओ प्रेरणा सिंह और जीएम एके सिंह नियमित रूप से निगरानी करते रहे। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने परियोजना विभाग की सराहना की।

सोसाइटी में रोज पानी की किल्लत से जूझ रहे लोग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में लोग रोजाना सुबह पानी के किल्लत से जूझ रहे हैं। शुक्रवार सुबह भी सोसाइटी में पानी खत्म हो गया। टैंकर से अंडरग्राउंड वॉटर टैंक को भरा गया। तब जाकर लोगों के घरों में पानी आया। सोसाइटी के एओए अध्यक्ष चंदन सिन्हा ने बताया कि परिसर में 15 टावर बने हुए हैं, जिनमें हजारों परिवार रहते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे घरों में पानी आना बंद हो गया, बिल्डर प्रबंधन द्वारा रात में पानी खत्म होने की जानकारी नोटिस के जरिए लोगों को दी थी। साथ ही, पानी का इस्तेमाल ध्यान पूर्वक करने की अपील की थी। वहीं, सुबह घरों में पानी खत्म हो गया, जिसके कारण लोग दफ्तर जाने के लिए लेट हो। लोगों शिकायत करने के बाद प्राधिकरण द्वारा पानी के टैंकर भेजे गए, जिनके जरिए अंडरग्राउंड वॉटर टैंक को भर गया। सोसाइटी में कई दिनों से चल रही समस्या लोगों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से सोसाइटी में पानी की समस्या बनी हुई है।

सूजे से 18 बार गोदा, लाश खेत में फेंकी

कानपुर में 20 हजार के लिए किसान की हत्या, 3 अरेस्ट, आरोपी बोले- बेइज्जती का बदला लिया

कानपुर। कानपुर में किसान धर्मेंद्र सचान हत्याकांड का शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। तीन आरोपी अरेस्ट किए गए हैं। हत्या ब्याज के 20 हजार रुपए और खेत बंटाई के विवाद में की गई थी।

तीनों ने किसान को शराब पीने के लिए बुलाया। वह जब में नशे धुत हो गया तो सूजे से 18 बार गोदकर मार डाला। उसके बाद लाश खेत में फेंक दी। पुलिस ने घटना के बाद 6 दिन बाद तीनों को उनके घर से पकड़ लिया। उन्होंने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। आज तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

18 मई को ट्यूबवेल के पास मिली थी लाश

एडीसीपी साउथ महेश कुमार ने बताया- धर्मेंद्र सचान उर्फ कुर्री (56) सजेती थाना क्षेत्र के कुआंखेड़ा गांव का रहने वाला था। 18 मई की रात को गांव में ट्यूबवेल के पास उसकी लाश मिली थी। ट्यूबवेल से 20 मीटर दूर खेत में शव फेंका गया था। गांव के लोग सुबह में खेत गए, तब उन्होंने लाश को देखा। घरवालों और पुलिस को सूचना दी।

गांव वालों से पूछताछ में आरोपियों के बारे में मिला था इनपुट

घरवालों ने मौके पर जाकर शव की पहचान की। थोड़ी ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। गांव के लोगों और परिजन से पूछताछ करने पर पता चला कि घटना वाले दिन धर्मेंद्र गांव के ही तीन युवक पप्पू उर्फ उदय नारायन, सुरेश और कमलेश के साथ आखिरी बार देखा गया था। तीनों ने उस रात में साथ में बैठकर शराब पी थी।

बेइज्जती का बदला लेने के लिए किया मर्डर

पुलिस ने तीनों को पकड़कर अलग-अलग पूछताछ की। पहले तो उन्होंने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन बाद में सख्ती करने पर हत्या की बात कबूल कर ली। पप्पू उर्फ उदय नारायण ने बताया- उसने धर्मेंद्र से 2 लाख रुपए 10 प्रतिशत महीने के ब्याज पर लिया था। हर महीने 20 हजार रुपए ब्याज देना उसके लिए मुश्किल हो रहा था। धर्मेंद्र उसे अक्सर घर और रास्ते में पैसे के लिए टोकता रहता। गांव के लोगों के सामने उससे अभद्रता करता था। ये बात उसे अच्छी नहीं लगती थी। इसलिए उसने उसकी हत्या का मन बनाया था।

खेत की बंटाई के रकम को लेकर भी चल रहा था विवाद

वहीं, सुरेश और कमलेश ने बताया- दोनों ने धर्मेंद्र का खेत बंटाई पर लिया था।

पहले 2 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से भूसा तय किया था, लेकिन बाद में धर्मेंद्र अपनी बात से पलट गया। उसने कहा कि अब मैं 4 हजार रुपए बीघा के हिसाब से लूंगा। तीनों ने आपस में बात की और धर्मेंद्र की हत्या की प्लानिंग की। उन्होंने धर्मेंद्र को शराब पीने के लिए बुलाया। उसके बाद उसकी हत्या कर दी।

वाराणसी में इलाज करा रहे नक्सली का भतीजा गिरफ्तार

रिमांड पर झारखंड पुलिस साथ ले गई, नक्सली कमांडर अखिलेश पुलिस निगरानी में भर्ती

वाराणसी। वाराणसी के लंका में साइन मेडिसिटी अस्पताल में छिपकर इलाज करवा रहे नक्सली अखिलेश के भतीजे आकाश को झारखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अखिलेश अपने चाचा को गोली लगने के बाद वाराणसी लेकर भाग आया था, जहां छिपकर उसका इलाज करवा रहा था। झारखंड पुलिस आकाश को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गुरुवार की रात झारखंड को रवाना हो गई।

वहीं झारखंड के पलामू के कुख्यात नक्सली अखिलेश का लंका पुलिस की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

उसके सही होने के बाद उसे भी झारखंड पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार कर झारखंड ले जाएगी।

इस संबंध में एसीपी भेलूपुर इशांत सोनी ने बताया- नरिया के रोहित नगर स्थित मेडिसिटी अस्पताल में झारखंड के नक्सली के इलाज कराने की सूचना मिली थी।

उसे पेट में गोली लगी थी, जो उसकी कमर को छेदते हुए बाहर निकल गई थी। इस सूचना के बाद झारखंड पुलिस के साथ जब दबिश दी गई तो मामला खुल गया। नक्सली कमांडर अखिलेश को उसका भतीजा आकाश पलामू से वाराणसी लेकर आया था और इलाज करवा रहा था।

भतीजे आकाश को झारखंड पुलिस ने किया गिरफ्तार

एसीपी ने बताया- बुधवार को ही भतीजे आकाश को झारखंड पुलिस ने हिरासत में लेकर लंका पुलिस को सौंप दिया था।

इसके बाद उसे गुरुवार को कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर गिरफ्तार करते हुए झारखंड पुलिस झारखंड के लिए रवाना हो गई। भतीजा आकाश भी नक्सलियों को उनके ऑपरेशन में मदद करता था।

शार्ट न्यूज

विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थों के भरे गये 04 नमूने

विशाल इंडिया संवाददाता

रामपुर। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह के निर्देश पर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य/पेय पदार्थ उपलब्ध कराने और मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य)-11/अभिहित अधिकारी श्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा जनपद में विशेष अभियान चलाया गया। विशेष छापामार अभियान में केमरी रोड भमरौआ स्थित पैकेज ड्रिंकिंग वाटर निर्माण इकाई एमबीशन बेबरेजज से पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का 01 नमूना लिया गया। ग्राम गंगापुर कदीम स्थित अन्टा बोतल (कार्बोनेटिड वाटर) निर्माता शाहिद खान पुत्र मन्नू खान से कार्बोनेटिड वाटर का 01 नमूना लिया गया। गंगापुर कदीम स्थित छत्रपाल पुत्र गोविन्द राम की दुकान से छेना मिठाई और पनीर का 01-01 नमूना लिया गया। इस प्रकार विभिन्न खाद्य एवं पेय पदार्थों के कुल 04 विधिक नमूनें संग्रहीत करके जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गये। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मिलावट की प्रकृति के अनुरूप सुसंगत धाराओं में वाद योजित किये जायेगे। सचल दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, वीरेन्द्र सिंह कुशवाहा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामचन्द्र यादव, राहुल शुक्ला, अजरा बी मोहम्मद उपस्थित रहे।

लखनऊ में बिजली चोरी करते 6 लोग पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ में बिजली विभाग का लगातार अभियान जारी है। चेकिंग टीम ने अहिबरनपुर उप केंद्र के अंतर्गत मढ़ेगंज और रूपपुर खदरा मोहल्लों में शुक्रवार रेड के तहत बिजली चोरी के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। अवर अभियंता अहिबरनपुर और प्रवर्तन दल की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान कुल 25 कनेक्शनों की जांच की गई, जिनमें से 6 लोग अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़े गए। बिजली चोरी करते पाए गए लोगों में देवांशु सोनकर, डेजी सोनकर, अनीता, सायर खान, आकाश सैनी और छोटू का नाम सामने आया है। यह सभी लोग हैं जो बिजली चोरी करते हुए मौके पर पकड़े गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, मौके पर इन लोगों द्वारा कुल 12 किलोवाट का अवैध विद्युत भार प्रयोग किया जा रहा था। सभी के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी निरोधक थाना, लखनऊ में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी चलती रहेंगी। शहर में बिजली चोरी रोकने का सम्पूर्ण लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

बागपत में पानी की टंकी में मिले दो मृत बंदर

बागपत। बागपत के तमेलागढ़ी गांव के मजरे सरौरा में स्वच्छ जल योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकी में दो बंदर मृत मिले हैं। टंकी से कई दिनों से बदबूदार पानी आ रहा था। ग्रामीण इसे गर्मी का असर समझ रहे थे। जब पानी से कीड़े निकलने लगे, तो ग्रामीणों ने टंकी की जांच की। टंकी में दो बंदरों के शव मिले। इस दूषित पानी के सेवन से गांव में 12 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। प्रेरणा, देव, शिवा, मंजू, अक्षरा, श्रवण, विराट, पायल, चंद्रपाल, सोनू और मुकेश समेत कई लोगों को उल्टी की शिकायत है। सभी का आसपास के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। गांव में लगभग 700 की आबादी है, जिसमें 300 मतदाता हैं। ग्राम प्रधान राजीव कुमार ने बताया कि टंकी से बंदरों को निकालकर सफाई करा दी गई है। फिलहाल टंकी का इस्तेमाल बंद कर दिया गया है। पानी सीधे पाइप लाइन से सप्लाई किया जा रहा है।

कब्र से खुदवाकर निकाला गया विवाहिता का शव

सीतापुर। सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत के बाद शव को दफना दिया गया। मृतका के पिता की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार रामपुर मथुरा क्षेत्र के अलायपुर निवासी बकरीदी पुत्र मजनू ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उन्होंने आठ वर्ष पूर्व अपनी पुत्री जाकिरून बानो (30) का निकाह महमूदाबाद के मोहम्मदपुर कदीम निवासी इसराइल पुत्र मेहदी के साथ किया था। विवाह के बाद से ही ससुरालीजन दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करते रहे। बकरीदी का आरोप है कि बीते 19 मई की रात बेटी को दहेज के विवाद में बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका के देवर शकील को शादी में अधिक दहेज मिलने की बात पर ससुरालीजन नाराज रहते थे। पिता का आरोप है कि हत्या के बाद बेटी को आनन-फानन में दफना दिया गया।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। पूरा कलां फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एंव क्षेत्राधिकारी तालबेहट, अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में, जनपद में वांछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पूराकलाँ पुलिस द्वारा एक वारण्टी अभियुक्त जगदीश पुत्र लक्ष्मन गडरिया उम्र करीब 44 वर्ष नि0 ग्राम मातेरा थाना पूराकलाँ ललितपुर सम्बन्धित एनबीडब्ल्यू केस संख्या 325/2002 सरकार बनाम जगदीश अंतर्गत धारा 25 आर्म्स एक्ट थाना पूराकलां को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाल टीम थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी उ.नि. रज्जन बाबू हे.का. अमित निरंजन आदि शामिल रहे।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ललितपुर। नाराहट पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपित को जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी पाली सुनील कुमार भारद्वाज के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना नाराहट पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्तगण .मुलायम यादव पुत्र काशीराम उम्र करीब 36 वर्ष निवासी ग्राम गुढा पडरिया थाना नाराहट ललितपुर सम्बन्धित केश नं0 4138/2020 धारा 41/411/413 भादवि थाना नाराहट जनपद ललितपुर लक्ष्मी उर्फ लक्ष्मीनारायण पुत्र कडोरे उम्र करीब 32 वर्ष निवासी ग्राम झरावटा थाना नाराहट जनपद ललितपुर सम्बन्धित मु0नं0 3829/2008 धारा 452/323/504/506 भादवि थाना नाराहट जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

मक्का सप्लाई के नाम पर धोखाधड़ी

लखनऊ। चेन्नई की एलबी एथेनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ मक्का सप्लाई के नाम पर 36 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी एथेनल उत्पादन के लिए चावल, मक्का और पत्तेदार सब्जियों का उपयोग करती है। पिछले साल जुलाई में मंजूनाथ और सिद्धालिंगेश ने कंपनी को लखनऊ के शयदेना फूड्स के निदेशक श्याम सिंह से मिलवाया। श्याम सिंह ने कंपनी को विश्वास दिलाया कि वह उच्च गुणवत्ता का मक्का सप्लाई कर सकते हैं। 3 अगस्त को 2600 टन मक्के की सप्लाई का ऑर्डर दिया गया। 5 अगस्त को श्याम सिंह ने फर्रुखाबाद के एक गोदाम में रात 9:30 बजे मक्के की गुणवत्ता जांच के लिए बुलाया। मोबाइल टॉर्च की रोशनी में जांच की गई। श्याम सिंह के बजाय कमीशन की मांग की। कंपनी ने सहमति दी और 36.14 लाख रुपए का भुगतान कर दिया।

अज्ञात कॉल, संदेश या व्हाट्सएप पर मांगी गई जानकारी/धनराशि की मांग पर न विश्वास करें

विशाल इंडिया संवाददाता

रामपुर। लघु सिंचाई विभाग की ओर से यह अवगत कराया गया है कि हाल ही में यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ असामाजिक तत्व विभिन्न सरकारी लघु सिंचाई योजनाओं (उथले नलकूप, मध्यम गहरे नलकूप, गहरे नलकूप आदि) के नाम पर किसानों एवं ग्रामीण नागरिकों को फोन कर रहे हैं और आवेदन शुल्क, पंजीकरण शुल्क या दस्तावेज़ सत्यापन के नाम पर धोखाधड़ी से पैसे मांग रहे हैं। सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई ने स्पष्ट किया कि विभाग द्वारा कभी भी फोन कॉल के माध्यम से किसी लाभार्थी से सीधे पैसों की मांग नहीं की जाती है और न ही यूपीआई/गुगल पे आदि के माध्यम से कोई धनराशि स्वीकृत की जाती है। विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए कृषक अंश आदि केवल डिमांड ड्राफ्ट अथवा चेक के माध्यम से ही स्वीकृत किया जाता है। सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया विभाग की अधिकृत वेबसाइट https://miuponline.in, कार्यालय नोटिस बोर्ड या ग्राम पंचायत/ब्लॉक स्तर पर अधिकृत माध्यमों से ही दी जाती है। किसी भी अज्ञात कॉल, संदेश या व्हाट्सएप पर मांगी गई जानकारी/धनराशि की मांग पर विश्वास न करें। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की कोई संदिग्ध कॉल प्राप्त होती है, तो कृपया उसकी सूचना तुरन्त अपने नजदीकी लघु सिंचाई विभाग कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय अथवा विकास भवन के कमरा संख्या-40 प्रथम तल पर या स्थानीय पुलिस स्टेशन में दें।

शादी में दूल्हे के दोस्त की हत्या

देवरिया। देवरिया में शादी के दौरान दूल्हे के दोस्त की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह दूल्हे के पिता के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए युवक ने उसकी पीठ में तमंचा सटाकर दो गोलियां मार दीं। युवक गोली लगते ही गिर पड़ा। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बारातियों और दुल्हन के घर वालों ने जैसे ही आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। उसने उन पर भी तमंचा तान दिया। फिर धमकाते हुए मौके से फरार हो गया। बारात कुशीनगर से आई हुई थी। घटना गुरुवार रात खुखुन्दू थाना क्षेत्र के खजुरी करौटा गांव की है। मृतक तेज बहादुर उर्फ राजन यादव (30) वर्तमान में बीडीसी था। वह भाजपा के पूर्व विधायक पवन केडिया के ईंट भट्ठे का मैनेजर भी था।

समसारा स्कूल द्वारा ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जा, करप्शन फ्री इंडिया ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर 37 समसारा स्कूल द्वारा ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने पर्यावरण मानकों की अनदेखी करते हुए प्राधिकरण से लीज पर ली गई ग्रीन बेल्ट में पेड़ काटकर पार्किंग का निर्माण करा दिया है।

इस संबंध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन की कोर कमेटी के सदस्य बलराज हूंण के नेतृत्व में संगठन ने प्राधिकरण की ओएसडी गुंजा सिंह को ज्ञापन सौंपकर अवैध कब्जा हटाने की मांग की।

संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि यह ग्रीन बेल्ट सेक्टरवासियों के उपयोग और

रखरखाव के लिए दी गई थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने न सिर्फ उस पर कब्जा कर लिया, बल्कि कंक्रीट की दीवार और लोहे की ग्रिल लगाकर उसे आमजन के लिए बंद कर दिया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ग्रेटर नोएडा के कई अन्य निजी स्कूल और अस्पताल भी इसी तरह ग्रीन बेल्टों पर अवैध कब्जा किए हुए हैं। यदि इन कब्जों को नहीं हटाया गया तो संगठन बड़े आंदोलन की चेतावनी देता है।

वहीं, प्राधिकरण की अधिकारी गुंजा सिंह ने मामले में जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फन रिपब्लिक मॉल में शुरू हुआ मैंगो फेस्टिवल

शेफ नंदनी मोतियानी ने मैंगो फेस्ट का किया उद्घाटन

महेश सिंह विशाल इंडिया

लखनऊ। फन रिपब्लिक मॉल ने इस चिलचिलाती गर्मी में लखनऊ वासियों के लिए राहत के आम लेकर आया है। जी हां, फन रिपब्लिक मॉल में 23 मई से 25 मई तक मैंगो फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। जानी-मानी शेफ नंदनी मोतियानी ने 23 मई को मैंगो फेस्ट का उद्घाटन किया।

गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों का मनोरंजन करना जरूरी हो जाता है। फन रिपब्लिक मॉल ने पैरेंट्स की चिंता दूर

करने का काम किया है और 23 मई से 25 मई तक मैंगो फेस्ट का आयोजन किया है, जिसमें ग्राहक मॉल आएं और इस चिलचिलाती गर्मी में मैंगो फेस्ट का आनंद लें। इस मैंगो फेस्ट में बीस से ज्यादा प्रकार के आमों की खास वैरायटी मौजूद है। जिसमें बंगनपल्ली, अल्फांजो, तोतापुरी, सिंधुरा, मल्लिका, राम केला, लंगड़ा, चौसा, थूरू, सफेदा, केसर, रत्ना, फजली, दशहरी, बंबई ग्रीन, किशन भोग इत्यादि किस्म के आम मौजूद रहेंगे, जिन्हें ग्राहक देखने के साथ-साथ खरीद भी सकेंगे।

24 मई को किड्स फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, जबकि 25 मई यानी अंतिम दिन वूमेन शेप मेनिया का आयोजन होगा। मैंगो फेस्टिवल के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की अलग-अलग प्रतियोगिताएं ग्राहकों का उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ उनका मनोरंजन भी करेंगी।

फन रिपब्लिक मॉल के जनरल मैनेजर श्री अश्वनी सिंह ने कहा कि इस गर्मी फलों का राजा आम लखनऊवासियों को ठंडक का एहसास कराएगा। हमने देश के कोने-कोने से भिन्न-भिन्न प्रकार के आमों को मैंगो फेस्ट में लाने का प्रयास किया है, ताकि ग्राहकों को कुछ नया देखने को मिले। 30 से अधिक प्रकार की अलग-अलग प्रजातियों के आम हम इस फेस्टिवल में लेकर आए हैं, ताकि ग्राहक सभी प्रकार के आमों का लुत्फ़ उठा सकें।

लखनऊ में किशोर ने बच्चे के साथ किया रेप

घर खेलने के बहाने बुलाया, पुलिस कर रही पूछताछ

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में एक 14 साल का लड़का पड़ोस में रहने वाले चार साल के लड़के को घर ले आया।

जहां खेलने के दौरान उसके साथ रेप किया। बच्चे ने घर में जाकर परिजनों को घटना के विषय में जानकारी दी।

पुलिस बच्चे को हिरासत में लेकर घटना के विषय में जानकारी जुटाई गई। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि बालांगज निवासी पीड़ित ने बताया कि आरोपी किशोर का घर बगल में ही है। दोनों के बच्चे एक-दूसरे के घर खेलने आते-जाते रहते हैं। शुक्रवार दोपहर पड़ोसी उनके चार साल के बच्चे को घर ले गया। जहां उसके साथ गलत काम किया।

बच्चे के जानकारी देने पर शिकायत की। पीड़ित की शिकायत पर बच्चे का मेडिकल परीक्षण कराया गया। वहीं आरोपी नाबालिग है। उसको नियमानुसार हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की गई।

पुलिस ने चार वारंटी किए गिरफ्तार

ललितपुर। तालबेहट पुलिस ने चार वारंटी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है।

पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक ललितपुर कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम थाना तालबेहट पुलिस द्वारा चार वारण्टी अभियुक्तगण राकेश पुत्र सिहराम उम्र करीब 35 वर्ष देवेन्द्र पुत्र सिहराम उम्र करीव 30 वर्ष मनोहर पुत्र गनेश कुशवाहा उम्र करीव 55 वर्ष नि0गण ग्राम खादी मजरा वरवारी थाना तालबेहट जिला ललितपुर सम्बन्धित NBW केस नं0 186/19 अ0सं0 105/19 बनाम नरेन्द्र उर्फ बाबा धारा 323/504 भादवि0 थाना तालबेहट 04. महेन्द्र सिंह पुत्र रुप सिंह उम्र करीब 30 वर्ष नि0 ग्राम रामपुर मजरा बडाहार थाना तालबेहट जिला ललितपुर केस नं0 298/18 अ0सं0 NCR 56/17 बनाम रमेश धारा 323/504 भादवि0 थाना तालबेहट को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारशुदा वारण्टीगण उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी, उ.नि. मानवेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी तेरई फाटक उ.नि. अरुण कुमार उ.नि. रामकृष्ण साहू का. सूरज सिंह आदि शामिल रहे।

लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान होगा हाईटेक

लखनऊ। लखनऊ का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान अब हाईटेक अवतार में नजर आएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने 15 करोड़ रुपये की लागत से इसके तीन बड़े ऑडिटोरियम - ज्यूपिटर, मार्स और मर्करी को अत्याधुनिक तकनीकों से लैस करने का निर्णय लिया है। इसके बाद ऑडिटोरियम की खूबसूरती और भव्यता में चार चांद लग जाएंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और काम आगामी छह महीनों में तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। इस दौरान किसी भी समारोह में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों को संबोधित करने के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाया जाएगा। एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस टर्मिनल जैसी तकनीक पर आधारित होगा पब्लिक एड्रेस सिस्टम। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान का निर्माण वर्ष 2008 में हुआ और 2010 से इसे सामुदायिक उपयोग के लिए खोल दिया गया। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि यह शहर का सबसे अधिक प्रयोग में लाया जाने वाला कन्वेंशन सेंटर है।

डीआईजी ने झांसी मंडल के तीनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ अपराध पर की समीक्षा गोष्ठी

लंबित विवेचना के निस्तारण हेतु चलाये अभियान फरार अपराधियों पर करें इनाम घोषित : डीआईजी

ललितपुर । झांसी पुलिस उपमहानिरीक्षक झाँसी परिक्षेत्र झाँसी केशव कुमार चौधरी महोदय द्वारा रेंज के जनपद झांसी, जालौन व ललितपुर के जनपद प्रभारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक आहूत की गयी जिसमें महिला सम्बन्धी अपराधों, विभिन्न संगीन अपराधों, सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधों आदि की समीक्षा कर अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही व पर्वों/त्योहारों के दौरान संवेदनशीलता के दृष्टिगत छोटी सी छोटी घटनाओं पर गम्भीरता पूर्वक कार्यवाही करने हेतु जनपद प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए तथा यूपी 112 पर प्राप्त सूचनाओं को पीआरवी वाहनों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। गम्भीर अपराधों के अभियुक्त जैसे हत्या, लूट, डकैती, गैंगरेप, पाक्सो, गौ तस्करी, वाहन चोरों, मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध

गैंगस्टर की कार्यवाही करने तथा गैंगस्टर के अभियुक्तों के विरूद्ध संपत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही के निर्देश दिए गये। लुटेरे, अवैध शराब व पशु तस्करों आदि पेशेवर अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी सतत निगरानी व सत्यापन करते सक्रिय दुर्दांत अपराधियों की जमानत निरस्तीकरण की कार्यवाही के साथ ही उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

महिलाओं व बालिकाओं की समस्या/शिकायत को गंभीरता से सुनकर प्रतिदिन प्राप्त होने वाले शिकायती प्रार्थना पत्रों की समय से जांच कराते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। महिला सशक्तिकरण एवं उनकी सुरक्षा/सहायता हेतु उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के क्रम में महिला बीट अधिकारी 'शक्ति दीदी' द्वारा सार्वजनिक स्थानों/कस्बों/गांवों में चौपाल लगाकर तथा स्कूल/कालेजों में जाकर उन्हें जागरूक करते हुए उनकी हर सम्भव सहायता उपलब्ध करायी जाए। एंटी रोमियो टीमों द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए मनचलों/अराजकतत्वों पर नजर रखी जाए एवं अराजकतत्वों व शोहदों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के रुख से अदालत नाराज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन ने तीसरे देशों में निर्वासन पर अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है। अदालत के मुताबिक प्रशासन ने अराजक देश दक्षिण सूडान से जुड़ी उड़ान में यात्रियों को भेजकर गलत किया है। बोस्टन में न्यायाधीश ब्रायन ई मर्फी ने कहा, विमान में सवार आठ प्रवासियों को यह आपत्ति करने का कोई सार्थक अवसर नहीं दिया गया कि निर्वासन उन्हें खतरे में डाल सकता है। नोटिस मिलने के कुछ ही घंटों बाद इस समूह को अमेरिका से बाहर भेज दिया गया। इस कारण उन्हें अदालत में आपत्ति जताने के लिए वकीलों से संपर्क करने का मौका ही नहीं मिला। कोर्ट की इस टिप्पणी पर सरकारी वकीलों ने कहा, इन लोगों का आव्रजन प्रणाली से पुराना संबंध रहा है। उन्हें निर्वासित किये जाने का डर व्यक्त करने का अवसर पहले ही मिल गया था। आव्रजन अधिकारियों ने अदालत के आदेश को गलत समझा होगा, क्योंकि न्यायाधीश ने नोटिस और निर्वासन के बीच आवश्यक समय का उल्लेख नहीं किया था।

सातवीं बार बोले राष्ट्रपति ट्रम्प : बिजनेस के जरिए जंग रुकवाई; मोदी को महान शख्स बताया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष को सुलझाया है। ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने बिजनेस के जरिए से विवाद सुलझाया है। अमेरिका, भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ बड़ा सौदा कर रहा है। ट्रम्प ने यह दावा दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान किया। उन्होंने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच हमले और भी खतरनाक और बदतर होते जा रहे थे। किसी को तो इसे अंजाम पर पहुंचाना ही था। हमने उनसे बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, मैंने दोनों देशों से कहा कि आप लोग क्या कर रहे हैं पाकिस्तान में कुछ बेहतरीन और कुछ बहुत अच्छे, महान नेता हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं। इस पर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा- कॉमन फ्रेंड, मोदी हमारे भी दोस्त हैं। फिर ट्रम्प ने कहा- वह (मोदी) एक महान शख्स हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ङ्क पर सबसे पहले इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद से बार-बार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है। हालांकि, 15 मई को उन्होंने कहा था- मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, बल्कि सिर्फ मदद की है।

अमेरिका के साथ अगले दौर की वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहा ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु समझौतों पर अप्रत्यक्ष बातचीत के अगले दौर से पहले उनका देश विचार-विमर्श कर रहा है। समाचार एजेंसी इरना के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री ने यह टिप्पणी पिछले वर्ष 19 मई को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में अपने पूर्ववर्ती हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की मृत्यु की पहली वर्षगांठ के अवसर पर तेहरान में आयोजित एक समारोह में की। अराघची ने कहा, हम देख रहे हैं कि पिछले कुछ दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने अनुचित और अतार्किक रुख अपनाया है। ईरान ने इन स्थितियों पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। अराघची ने कहा, हम बातचीत की मेज पर अत्यधिक मांगों के खिलाफ खड़े होंगे, लेकिन हमने कभी कूटनीति नहीं छोड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान की स्थिति स्पष्ट है कि समझौता हो या न हो (यूरेनियम) संवर्धन जारी रहेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, विदेश मंत्री ने कहा, देश अपने परमाणु कार्यक्रम के बारे में पारदर्शिता प्रदान करने के लिए तैयार है। बदले में ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने पर बातचीत होनी चाहिए, और प्रतिबंधों को हटाया जाना चाहिए। पिछले साल हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पूर्व ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु की स्मृति में आयोजित एक समारोह में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने तेहरान के यूरेनियम संवर्धन के बारे में निरर्थक टिप्पणी करने के खिलाफ अमेरिका को चेतावनी दी थी। उनकी वेबसाइट पर प्रकाशित फुटेज में यह बात सामने आई है। मंगलवार को ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के पांचवें दौर के लिए प्राप्त प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। ओमान की मदद से, ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाने पर अप्रैल से अब तक चार दौर की अप्रत्यक्ष वार्ता की है। हाल के दिनों में, अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार मांग की है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को पूरी तरह से बंद कर दे, लेकिन तेहरान ने दृढ़ता से उसे अस्वीकार कर दिया है।

अमेरिका में इजराइली एंबेसी के 2 अफसरों की हत्या

वॉशिंगटन में यहूदी म्यूजियम के बाहर गोली मारी, हमलावर ने लगाए फिलिस्तीन की आजादी के नारे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट (भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 6 बजकर 35 मिनट) पर यहूदी म्यूजियम के बाहर हुई। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक अपराधी ने 'फ्री फिलिस्तीन' का नारा लगाकर दोनों को नजदीक से गोली मारी है। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला शामिल हैं। घटना के वक्त दोनों कर्मचारी कैपिटल यहूदी म्यूजियम से बाहर निकल रहे थे। इजराइली दूतावास ने प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ने हाल ही में सगाई की थी और जल्द ही शादी करने वाले थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान एलियास रॉड्रिगेज के रूप में हुई है। उसकी उम्र 30 साल है। वह शिकागो का रहने वाला है। गिरफ्तारी के दौरान वह फिलिस्तीन को आजाद करने के नारे लगा रहा था।

अमेरिका बोला- यह टारगेट किलिंग : पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ ने कहा कि गोलीबारी से पहले एक संदिग्ध को म्यूजियम के बाहर घूमते हुए देखा गया था। उसने बाहर निकलते चार लोगों के एक ग्रुप पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। घटना शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जहां कई म्यूजियम, सरकारी दफ्तर और एफबीआई का ऑफिस भी मौजूद है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यह टारगेट किलिंग जैसी घटना है। फिलहाल घटना की जांच चल रही है और जल्द ही और जानकारी साझा की जाएगी।

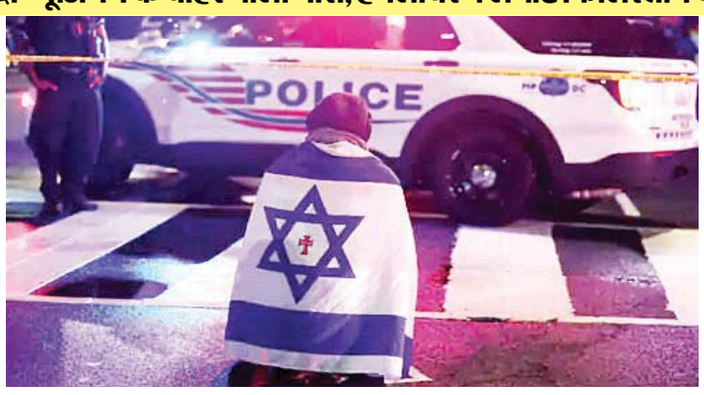

एफबीआई की ज्वॉइंट टेररिज्म टास्कफोर्स इस घटना की जांच में जुट गई है।

इजराइली राजदूत बोले- यह पूरे यहूदी समुदाय पर हमला : संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने इस हमले को यहूदी विरोधी आतंकवाद बताया है। उन्होंने कहा कि यह पूरे यहूदी समुदाय पर हमला है। उन्होंने अमेरिका से दोषियों पर सख्त एक्शन लेने की अपील की। इजराइली दूतावास के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों कर्मचारी एक यहूदी कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, तभी उन्हें करीब से गोली मारी गई। इस दौरान अमेरिका में इजराइल के राजदूत वहां मौजूद नहीं थे। पुलिस ने लोगों को उस इलाके से दूर रहने की सलाह दी है, जहां यह हमला हुआ। हालांकि स्वच्छ ने कहा है कि अभी स्थिति कंट्रोल में है। एफबीआई चीफ काश पटेल ने कहा- मुझे और मेरी टीम को इस घटना की जानकारी दी गई है। हम इस पर काम कर रहे हैं। आपको जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे। अमेरिकन यहूदी समिति के सीईओ टेड ड्यूच ने कहा कि यह कार्यक्रम उनकी संस्था ने आयोजित किया था। वह इस हिंसक घटना से बहुत दुखी हैं।

नफरत और कट्टरपंथ के लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने भी इन हत्याओं पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ये हत्याएं साफ तौर पर यहूदी-विरोधी भावना पर आधारित हैं। नफरत और कट्टरपंथ के लिए अमेरिका में कोई जगह नहीं है। बहुत दुख की बात है कि ऐसी चीजें हो सकती हैं। इस बीच, एफ.बी.आई. निदेशक काश पटेल ने बताया कि मुझे और मेरी टीम को आज रात कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर और हमारे वाशिंगटन फील्ड ऑफिस के पास डाउनटाउन डी.सी. में हुई गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है। हम इसे लेकर एम.पी.डी. के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अधिक जानकारी जुटा रहे हैं। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदनाएं जताते हुए कहा कि हम इस बारे में जरूरी अपडेट देते रहेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने दी प्रतिक्रिया : इस्राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घृणा और यहूदी विरोधी भावना का एक घृणित कृत्य है, जिसने इस्राइली दूतावास के दो युवा कर्मचारियों की जान ले ली है। हमारी संवेदनाएं मारे गए लोगों के प्रियजनों के साथ हैं और हमारी प्रार्थनाएं घायलों के साथ हैं। मैं राजदूत और दूतावास के सभी कर्मचारियों को अपना पूरा समर्थन देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि हम डीसी और पूरे अमेरिका में यहूदी समुदाय के साथ खड़े हैं। अमेरिका और इस्राइल अपने लोगों और हमारे साझा मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट रहेंगे। आतंक और नफ़रत हमें नहीं तोड़ पाएगी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई आंखो-देखी : वहीं, एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जब उसने गोलियों की आवाज सुनी तो बाहर आकर देखा। उन्हें एक आदमी कुछ ज्यादा ही परेशान दिख रहा था। फिर लोग उसकी मदद के लिए आए और उसे पानी लाकर दिया, यह सोचकर कि उसे मदद की ज़रूरत है। उन्हें नहीं पता था कि वह संदिग्ध था। बाद में जब पुलिस आई, तो उसने फ्री फलस्तीन के नारे लगाना शुरु कर दिया। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने इस गोलीबारी को यहूदी विरोधी आतंकवाद का घृणित कृत्य करार दिया है। डैनन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमें विश्वास है कि अमेरिकी अधिकारी इस आपराधिक कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

चीन दे रहा अमेरिका को टक्कर, क्या 5जी सैटेलाइट की चाल से बिगड़ेगा खेल

बीजिंग , एजेंसी। चीनी प्रौद्योगिकी का एक नया उदाहरण सामने आया है। चीनी वैज्ञानिकों ने 5जी उपग्रहों की मदद से सीधे स्मार्टफोन पर ब्रॉडबैंड वीडियो कॉल करके इतिहास रच दिया है। दुनिया में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैद्धांतिक रूप से इस तकनीक का उपयोग करके वीडियो को सैटेलाइट के माध्यम से सीधे फोन पर स्ट्रीम किया जा सकता है। तो क्या अमेरिका टिकटॉक पर फंस सकता है यदि अमेरिका और चीन के बीच टिकटॉक से जुड़ी डील टूट जाती है और ऐप को अमेरिका में प्रतिबंधित कर दिया जाता है, तो भविष्य में 5जी सैटेलाइट तकनीक के जरिए फोन पर सीधे अंतरिक्ष से टिकटॉक चलाने की संभावना बढ़ सकती है। यद्यपि इसमें कई विनियामक मुद्दे होंगे, लेकिन लोग हैकिंग में विशेषज्ञ हैं। वे भविष्य में अपने डिवाइसों पर प्रतिबंधित ऐप्स चलाने के लिए ऐसी तकनीक का उपयोग कर सकते हैं। चाइना सैटेलाइट नेटवर्क ग्रुप (चाइना सैटनेट) ने इस परीक्षण की जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण 5जी नॉन-टेरेस्ट्रियल नेटवर्क मानकों पर किया गया था। इसका मतलब यह है कि फोन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 5जी विनिर्देशों के माध्यम से उपग्रह से जुड़ा हुआ है। इसमें किसी हार्डवेयर को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अब कल्पना कीजिए कि यदि कोई अमेरिकी यूजर अपने फोन को इस तकनीक से जोड़ ले तो उसके मोबाइल में प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐसे ऐप्स आसानी से डाउनलोड हो जाएंगे जो अमेरिका में प्रतिबंधित हैं। हालाँकि, स्वयं चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार्य होने के बावजूद, इस तकनीक को नियामक मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है।चीन सैटेलाइट इंटरनेट के क्षेत्र में भी अमेरिका को चुनौती देने के लिए आगे बढ़ रहा है। वहां चाइनासेटनेट सरकारी नियंत्रण में है। इसने अंतरिक्ष में हजारों उपग्रह भी प्रक्षेपित किये हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का सीधा मकसद एलन मस्क की स्टारलिंक को चुनौती देना है।रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि नई तकनीक से भविष्य में फोन को सीधे उपग्रहों से जोड़ा जा सकेगा। इससे पारंपरिक मोबाइल टावरों पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। दूरदराज के क्षेत्रों में जहां कनेक्टिविटी की समस्या है, वहां लोगों को सिग्नल मिलते रहेंगे।

कानूनी लड़ाई में जीत के बाद इंस्टीट्यूट ऑफ पीस को वापस मिला अपना मुख्यालय, मस्क के प्रयासों को लगा झटका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ पीस को अपना मुख्यालय वापस मिल गया है। दरअसल सरकार की लागत कम करने के उद्देश्य से एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के बोर्ड और कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था और संस्थान के कामकाज पर कब्जा कर लिया था। सरकारी दक्षता विभाग के इस फैसले के खिलाफ इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के बोर्ड सदस्यों ने अदालत का रुख किया। जहां संघीय जज ने सरकारी दक्षता विभाग द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बता दिया और मुख्यालय का कब्जा फिर से संस्थान को बोर्ड सदस्यों को सौंपने का फैसला सुनाया।

बुधवार को मुख्यालय पहुंचे कार्यकारी अध्यक्ष : इसके बाद संस्थान को इसका मुख्यालय वापस मिल गया। बुधवार को इंस्टीट्यूट ऑफ पीस के कार्यकारी अध्यक्ष जॉर्ज मूस ने एक बार फिर से मुख्यालय में प्रवेश किया। सरकारी दक्षता विभाग द्वारा इस मुख्यालय को अपने कब्जे में लेने के बाद यह पहली बार था कि मूस मुख्यालय में दाखिल हुए। मार्च में मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने मूस समेत बोर्ड सदस्यों और कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

नेतन्याहू ने दोहराया गाजा पर पूर्ण कब्जे का इरादा, ट्रंप से मतभेद की खबरों को बताया बेबुनियाद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को गाजा पर पूरी तरह से कब्जा करने के अपने इरादे को दोहराया और युद्ध समाप्ति के लिए किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि गाजा में 20 बंधक अब भी जीवित हैं, जबकि 38 अन्य के मारे जाने की आशंका है। पश्चिम यरूशलम स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने अपनी मंशा जाहिर की।

फिलिस्तीनी संगठन हमास ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह युद्ध समाप्ति, गाजा से इजरायली सेना की वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में इजरायली बंदियों को एकमुश्त रिहा करने के लिए तैयार है। नेतन्याहू ने इन शर्तों को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने फिलिस्तीनी प्रतिरोध समूहों के निरस्त्रीकरण की मांग की है और गाजा पर पूरी तरह से फिर से कब्जा करने पर जोर दिया है।

नेतन्याहू ने दावा किया कि एक बार ये लक्ष्य हासिल हो जाने के बाद, इजरायल तथाकथित ट्रंप योजना को लागू करने के लिए आगे बढ़ेगा -जिसे व्यापक रूप से गाजा से फिलिस्तीनियों के पुनर्वास की रूपरेखा के रूप में देखा जाता है। नेतन्याहू ने ट्रंप की खाड़ी यात्रा के बाद अमेरिकी प्रशासन के साथ मतभेद की अटकलों को भी खारिज कर दिया, जिसमें इजरायल को शामिल नहीं किया गया था।

ट्रंप की सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा ने कई बड़े व्यापारिक सौदे किए। इसे लेकर मीडिया में कई तरह की बातें उठीं। खासकर वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगी इजरायल को शामिल न किए जाने को लेकर तमाम सवाल खड़े किए गए। यह यात्रा ट्रंप के यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी बमबारी अभियान को समाप्त करने के निर्णय के बाद हुई।

नेतन्याहू, जिन्होंने पहले इस मुद्दे पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की थी, ने एक समाचार सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि : मैं इजरायल के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। इजरायल पर बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बीच, ट्रंप ने गाजा में युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने और मानवीय सहायता सामग्री की राह बाधित न करने का आग्रह किया था। कुछ दिनों पहले एक अलग बातचीत में, नेतन्याहू ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने उनसे कहा था : हमारे बीच पड़ रही दरार को लेकर उठ रही सभी फर्जी खबरों पर ध्यान न दें।

गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शामिल हो सकता है कनाडा, मार्क कार्नी की ट्रंप से हुई बात

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट में कनाडा भी शामिल हो सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को बताया कि उनकी सरकार गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम में शामिल होने के लिए अमेरिका की सरकार से बात कर रही है। 175 अरब डॉलर के इस मिसाइल डिफेंस सिस्टम की मदद से अमेरिका अंतरिक्ष में भी हथियार तैनात करने में सक्षम हो जाएगा। ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि साल 2029 तक यह गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से संचालित हो जाएगा।

मार्क कार्नी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बात

मार्क कार्नी ने कहा कि यह कनाडा की सुरक्षा के लिए अच्छा विचार है। कार्नी ने इस बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने की पुष्टि की और कहा कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर इसे लेकर बात हो रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मार्क कार्नी के दावे की पुष्टि की और कहा कि कनाडा सरकार ने

उनकी सरकार से संपर्क किया है और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट में शामिल होने की इच्छा जताई है। ट्रंप ने कहा कि वे कनाडा के साथ मिलकर काम करेंगे और इसके लिए कनाडा को उचित योगदान देना होगा। गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम से अमेरिका ऐसी क्षमता हासिल करना चाहता है, जिससे वह अंतरिक्ष से आने वाली मिसाइल को भी रोक सके। साथ ही संभावित खतरे को मिसाइल लॉन्च से पहले ही तबाह करने, मिसाइल लॉन्च होने के तुरंत बाद ही दुश्मन की मिसाइल को हवा में ही तबाह करने की क्षमता हासिल करना भी शामिल है।

ट्रंप ने गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम के निर्माण को लेकर मंजूरी भी दे दी। अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। व्यवस्था अब तक काफी बिखरी हुई मानी जाती है। गोल्डन डोम में अगली पीढ़ी के समग्र मिसाइल सिस्टम, अंतरिक्ष आधारित सेंसर और सिग्नल इंटरसेप्टर तैनात होंगे। यह बाहर से आने वाली बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, ड्रोन्स, फाइटर जेट्स के हमलों के नाकाम करेगा और उन्हें मार गिराएगा।

भारत की कार्रवाई से झल्लाया पाकिस्तान

भारतीय उच्चायोग के स्टाफ को किया निष्कासित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को निष्कासित करने का एलान किया। पाकिस्तान ने यह कार्रवाई भारत की कार्रवाई के विरोध में की। भारत ने बुधवार को पाकिस्तानी उच्चायोग के एक स्टाफ को अवांछित घोषित करते हुए निष्कासित कर दिया था। भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का फरमान सुनाया था। भारत की कार्रवाई से झल्लाया पाकिस्तान भी अब बिना किसी ठोस सबूत के भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है।

भारत ने 13 मई को भी पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को किया था निष्कासित : इससे पहले 13 मई को भी भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को अवांछित घोषित करते हुए निष्कासित कर दिया था। इन अधिकारियों पर जासूसी के आरोप लगे हैं। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में एक अधिकारी दानिश को तो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। दानिश के तार ही जासूसी के आरोप में पकड़ी गई भारतीय यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पंजाब और हरियाणा से गिरफ्तार कई जासूसों से जुड़े पाए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में छिड़ा संघर्ष : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी। इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला कर कई आतंकियों को ढेर कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के शहरों को निशाना बनाते हुए हमले किए, लेकिन भारत ने उन हमलों को रोक दिया। जिसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का नाकाम प्रयास किया। भारतीय पक्ष ने पाकिस्तानी कार्रवाइयों का कड़ा जवाब दिया। 10 मई को दोनों देशों के बीच संघर्षविराम हो गया।

ट्रम्प की साउथ अफ्रीकी प्रेसिडेंट से तीखी नोकझोंक : गोरे किसानों के नरसंहार का वीडियो दिखाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच बुधवार को व्हाइट हाउस में मीडिया के सामने तीखी बहस हुई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों का नरसंहार किया जा रहा है। ओवल ऑफिस में मीटिंग के दौरान ट्रम्प ने एक वीडियो को सबूत के तौर पर दिखाते हुए दावा किया कि साउथ अफ्रीका में गोरे लोगों को बड़े पैमाने पर टारगेट किया जा रहा है। इसके कारण किसान अमेरिका की ओर भाग रहे हैं। रामफोसा को इसके खिलाफ कदम उठाने चाहिए

हालांकि, रामफोसा ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि नरसंहार के आरोप झूठे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा- साउथ अफ्रीका में सभी नस्लों के लोग हिंसा से पीड़ित हैं। इनमें ज्यादातर अश्वेत हैं। वहां सिर्फ गोरे लोगों को नहीं सताया जा रहा है। ट्रम्प ने इससे इनकार करते हुए कहा कि सिर्फ गोरे किसानों को सताया जा रहा है। रामफोसा ने ट्रम्प को कतर सरकार से गिफ्ट में मिले प्लेन पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा- मुझे माफ कीजिए मेरे पास आपको देने के लिए प्लेन नहीं है, इस पर ट्रम्प ने भी उसी तरह जवाब दिया, उन्होंने कहा, काश आपके पास ये होता, तो मैं ले लेता।

दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई : दोनों राष्ट्रपतियों के बीच दोस्ताना माहौल में मीटिंग शुरू हुई। दोनों ने गोल्फ के बारे में बात की। ट्रम्प ने अफ्रीका में लोगों के गोल्फ खेलने के टैलेंट की तारीफ की। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने फिर टी शब्द का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच ट्रेड पर चर्चा करने की कोशिश की। उन्होंने एक मिनरल डील का भी जिक्र किया।

ट्रम्प ने अचानक कहा- लाइट बंद करो, वीडियो चलाओ : दोनों नेता के बीच ठीक से बातचीत चल चल रही थी। अचानक ट्रम्प ने अपने स्टाफ से वीडियो चलाने के लिए लाइट्स बंद करने को कहा। इससे रामफोसा चौंक गए।

रामफोसा सिर्फ दो-तीन बार वीडियो देखने के लिए मुड़े : जब वीडियो शुरू हुआ, तो रामफोसा ने ट्रम्प से इशारों में सवाल किया कि यह क्या है हालांकि, ट्रम्प ने उन्हें इंतजार करने का इशारा किया। रामफोसा ने दो-तीन बार पीछे मुड़कर वीडियो देखा। ट्रम्प ने वीडियो को गोरे लोगों के नरसंहार का सबूत बताते हुए कहा कि इसमें हजारों गोरे किसानों की कब्र दिखाई गई हैं।

रामफोसा बोले- पता लगाएंगे वीडियो कहां की है : रामफोसा ने अपना संयम बनाए रखते हुए दावों से इनकार किया। उन्होंने कहा- मैंने पहले कभी यह वीडियो नहीं देखा है। हम पता लगाएंगे कि यह वीडियो कहां है। इसकी प्रामाणिकता की गहराई से जांच करेंगे। रामफोसा ने कहा, हमारे देश में हिंसा अपराध है, और इससे सभी प्रभावित हैं- चाहे वो काला हो या गोरा

ट्रम्प नहीं रुके, न्यूज आर्टिकल्स दिखाकर हत्या-हत्या कहने लगे : रामफोसा के यकीन दिलाने के बाद भी ट्रम्प नहीं रुके। उन्होंने न्यूज आर्टिकल्स की प्रिंटेड कॉपी दिखाई, जिनमें साउथ अफ्रीका में मारे गए गोरे लोगों के बारे में बताया गया है। पन्नों को पलटते हुए ट्रम्प जोर से हत्या...हत्या कहते रहे। गोल्फ ट्रम्प का पसंदीदा खेल है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति रामफोसा दो दक्षिण अफ्रीकी गोल्फ खिलाड़ियों एर्नी एल्स (सबसे दाएं) और रीटिफ गूसेन (बीच में) को मेहमान के तौर पर साथ ले गए थे। बहस के दौरान वे दोनों राष्ट्रपति के पीछे खड़े थे। गोल्फ ट्रम्प का पसंदीदा खेल है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति रामफोसा दो दक्षिण अफ्रीकी गोल्फ खिलाड़ियों एर्नी एल्स (सबसे दाएं) और रीटिफ गूसेन (बीच में) को मेहमान के तौर पर साथ ले गए थे। बहस के दौरान वे दोनों राष्ट्रपति के पीछे खड़े थे।

रामफोसा बोले- साउथ अफ्रीका में गोरे ज्यादा खुशहाल : इसके खत्म होने के बाद रामफोसा ने कहा कि वीडियो में उनके देश की पूरी तस्वीर नहीं दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका में कई राजनीतिक दल हैं। लोकतंत्र ने उन्हें अपनी बात कहने की अनुमति दी है। वीडियो में वो जो कह रहे हैं हमारी सरकार की नीति उससे अलग है।

शीर्ष दो में पहुंचने की उम्मीदों के साथ दिल्ली से भिड़ेगी पंजाब किंग्स

जयपुर (एजेंसी)। शनिवार को पंजाब किंग्स का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जहां पंजाब की नजरें 11 साल में पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने पर टिकी हैं। आखिरी बार पंजाब की टीम 2014 में लीग चरण में शीर्ष पर रही थी, हालांकि फाइनल में हारकर खिताब से चूक गई थी। 2008 से शुरू हुए आईपीएल के इतिहास में पंजाब अब तक केवल दो बार प्लेऑफ तक पहुंच पाई है, और इस बार टीम इस सूखे को खत्म कर खिताब जीतने की पूरी कोशिश में जुटी है।

पंजाब की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है, खासकर तब जब उसके चार प्रमुख विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस, आरोन हार्डी और काइल जैमीसन तीन दिन पहले टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं। भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव के चलते आईपीएल कुछ समय के लिए स्थगित किया गया था, जिसके दौरान ये विदेशी खिलाड़ी अपने देश लौट गए थे। लेकिन टूर्नामेंट दोबारा शुरू होने के बाद पंजाब ने इन्हें फिर से बुला लिया है और अब ये खिलाड़ी दिल्ली के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध होंगे। धर्मशाला में आठ मई को पंजाब और दिल्ली के बीच हुआ पिछला मुकाबला बारिश के कारण पहली पारी के बाद रद्द कर दिया गया था। अब जब टूर्नामेंट निर्णायक दौर में पहुंच चुका है, तो दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला अहम बन गया है, हालांकि दिल्ली पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर के पास यह मौका है कि वह आईपीएल प्लेऑफ में तीन अलग-अलग टीमों की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी के रूप में अपनी

विरासत को और मजबूत करें। उन्होंने 2019 और 2020 में दिल्ली को प्लेऑफ में पहुंचाया था और पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब जिताया था। इस सीजन में पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह, श्रेयस अय्यर, प्रियांश आर्य, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वहीं दिल्ली की टीम को मिचेल स्टार्क की वापसी के बाद झटका लगा है और उसका प्रदर्शन अस्थिर रहा है। अब वह इस सीजन को जीत के साथ अलविदा कहना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

प्रीति जिंटा बिजनेस पार्टनर मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खिलाफ पहुंची अदालत

- पंजाब किंग्स के सह-मालिकों के बीच छिड़ा विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक आईपीएल के इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है और टीम प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। लेकिन मैदान के बाहर फ्रेंचाइज़ी के मालिकों के बीच गंभीर मतभेद सामने उभर आए हैं। टीम की सह-मालकिन और बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपने ही बिजनेस पार्टनर मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खिलाफ चंडीगढ़ की अदालत में याचिका दायर की है। जिंटा, बर्मन और वाडिया, तीनों पंजाब किंग्स की मालिक कंपनी केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। विवाद की जड़ 21 अप्रैल 2025 को हुई कंपनी की एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग है, जिसमें मुनीश खन्ना को नया निदेशक नियुक्त किया गया था। इस मीटिंग की वैधता, प्रक्रिया और इसके निर्णयों को प्रीति जिंटा ने अदालत में चुनौती दी है।

प्रीति जिंटा का आरोप है कि यह मीटिंग कंपनीज एक्ट 2013 और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज करते हुए बुलाई गई थी। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, जिंटा ने 10 अप्रैल को ईमेल भेजकर मीटिंग पर आपत्ति जताई थी, लेकिन उनकी बात को अनदेखा कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने अपने साथी निदेशक करन पॉल के साथ मीटिंग में भाग लिया और मुनीश खन्ना की नियुक्ति का कड़ा विरोध किया। इसके बावजूद, मोहित बर्मन ने नेस वाडिया के समर्थन से खन्ना की नियुक्ति को मंजूरी दिलाई।

आईपीएल 2025 : हमारे पास प्लेऑफ में जाने के मौके थे, गुजरात पर जीत के बाद छलका पंत का दर्द

अहमदाबाद (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने आईपीएल 2025 में कई मौकों पर अच्छा प्रदर्शन तो किया लेकिन मौके भुना नहीं सकी जिससे प्लेआफ की दौड़ से बाहर होना पड़ा। लखनऊ को प्रदर्शन में निरंतरता का खामियाजा भुगतना पड़ा और कई करीबी मुकाबलों में उसे पराजय भी मिली।

पंत ने गुजरात टाइटंस पर 33 रन से जीत के बाद कहा, 'हम अच्छा क्रिकेट खेलने की बात करते हैं और हमने कई मौकों पर खेला भी। टूर्नामेंट में ऐसा भी समय आया जब हमारे पास प्लेऑफ में पहुंचने का मौका था लेकिन हम पहुंच नहीं सके। लेकिन यह खेल का हिस्सा है।'

उन्होंने दोहराया कि प्रमुख गेंदबाजों की चोट से उनका आक्रमण कमजोर हुआ। लखनऊ ने सत्र में अपने अभियान का आगाज मोहसिन खान, आवेश खान, आकाश दीप और मयंक यादव के बिना किया। शार्दुल ठाकुर को सत्र के बीच में शामिल किया गया जबकि आवेश और आकाश ने वापसी की। मयंक दो मैच खेलने के बाद बाहर हो गए। पंत ने कहा, 'टूर्नामेंट की शुरूआत में कई फिटनेस समस्याएं थी। हमने तय किया था कि इस पर बात नहीं करेंगे। फील्डिंग में हमे कमी खली। हम बहाने नहीं बना सकते। बस गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना है।'

आज हो सकती है टेस्ट टीम के कप्तान की घोषणा, गिल दौड़ में सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भारतीय टीम एक नए युग की ओर बढ़ रही है। इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को टीम इंडिया के नए कप्तान की घोषणा हो सकती है। इस दौरे के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत भी होगी। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल इस दौड़ में सबसे आगे बताए जा रहे हैं। 25 वर्षीय गिल ने हाल के वर्षों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्हें भविष्य का नेतृत्वकर्ता माना जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को उप-कप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी फिटनेस और कार्यभार को देखते हुए इस बार कप्तानी की जिम्मेदारी उनसे दूर रह सकती है। वहीं, ऋषभ पंत भले ही आईपीएल 2025 में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हों, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह अब भी टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं और उन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है। कोहली

और रोहित के संन्यास से टीम में जो खालीपन आया है, उससे केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

माना जा रहा है कि राहुल और यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड में 20 जून से शुरू हो रहे पहले टेस्ट में पारी की शुरुआत कर सकते हैं। साई सुदर्शन को रिजर्व ओपनर के तौर पर शामिल किए जाने की संभावना है। मध्यक्रम के लिए करुण नायर, सरफराज खान और श्रेयस अय्यर में से किसी एक को चुना जा सकता है। स्पिन विभाग में रविचंद्रन अश्विन की विदाई के बाद रविंद्र जडेजा टीम के प्रमुख स्पिनर होंगे। इंग्लैंड की परिस्थितियों को देखते हुए वॉशिंगटन सुंदर को कुलदीप यादव पर तरजीह मिल सकती है।

विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत पहली पसंद होंगे, जबकि ध्रुव जुरेल को रिजर्व के तौर पर देखा जा रहा है। तेज गेंदबाजी में बुमराह की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है, जबकि मोहम्मद शमी भी पूरी तरह फिट नहीं माने जा रहे। ऐसे में मोहम्मद सिराज की भूमिका अहम होगी। अन्य तेज गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह को चुना जा सकता है। भारतीय क्रिकेट के इस बदलाव भरे दौर में युवा खिलाड़ियों पर बड़ी जिम्मेदारी आने वाली है।

आईपीएल से करोड़पति बने वैभव

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से उतरे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर दिग्गज गेंदबाज भी हैरान हो गये। खेल के साथ ही वैभव ने इस सत्र में काफी पैसे भी कमाये हैं। वैभव सूर्यवंशी को इस सीजन में कुल 7 मैचों में खेलने का मौका मिले। उन्हें नियमों के अनुसार एक मैच खेलने के लिए 7.5 लाख रुपये की फीस भी मिली। इस प्राकर 7 मैचों में ही उन्होंने 52.5 लाख रुपये कमा लिए। इसके अलावा वैभव ने एक प्लेयर ऑफ द मैच, स्ट्राइकर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीत है जिसके लिए उसे एक-एक लाख रुपये मिले हैं। इस प्रकार वैभव ने तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई कर ली है। इस प्रकार इस क्रिकेटर ने एक दिन के हिसाब से देखें तो करीब 43650 रुपये कमा लिए। वहीं उनके पूरे आईपीएल से कमाई की बात करें तो उन्हें एक रन के लिए 65,277 रुपये मिले। टीम के कोच विक्रम राठौर के अनुसार वैभव लंबी रेस के घोड़े हैं। 14 साल की उम्र में ही वह दिग्गज गेंदबाजों के सामने बड़े शॉट्स खेलते हैं। 14 साल की उम्र में ही उन्होंने 35 गेंदों में आक्रामक शतक लगाया। वो आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी है। वैभव ने इस सीजन में सात मैच खेले. इस दौरान उन्होंने 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान इस क्रिकेटर का स्ट्राइक रेट 206 का रहा।

प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए मिशेल मार्श ने कहा, आईपीएल में हर मैच में तैयार रहना होता

मुंबई । लखनऊ सुपर जायंट्स की गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत में सबसे बड़ा योगदान मिशेल मार्श ने दिया। जिन्होंने 117 रन बनाकर लखनऊ को 235 रनों तक पहुंचाया। अपनी शतकीय पारी के लिए मार्श प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने कहा कि मैंने सबसे पहले डेक्कन चार्जर्स के लिए आईपीएल खेला था, यह एक लंबा सफर रहा है। आज टीम के लिए योगदान देकर अच्छा लगा। ओपनिंग का मौका मिलना और मारक्रम के साथ साझेदारी करना फायदेमंद साबित हुआ है। हमारा सीज़न अब तक बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन आख़िरी मैच अब भी महत्वपूर्ण हैं। मार्श ने कहा कि आईपीएल एक जबरदस्त प्रतियोगिता है, हर मैच में तैयार रहना होता है। कोई भी टीम किसी को भी हरा सकती है और यही इस दुनिया का सबसे बेहतरीन टूर्नामेंट बनाता है। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि हम हमेशा अच्छा क्रिकेट खेलने की बात करते हैं और हमने कई मौक़ों पर दिखाया है कि हम अच्छा क्रिकेट खेल सकते हैं।

दिग्वेश के बाद अब आकाश महाराज ने नोटबुक सेलिब्रेशन कर लिए बीसीसीआई के मजे

नई दिल्ली । ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ सुपर जाएंट्स ने गुजरात टाइटंस पर 33 रनों से जीत दर्ज की। 19 अप्रैल के बाद टीम को यह पहली जीत हासिल की है। लखनऊ के लिए यह सीजन कुछ खास नहीं रहा, कप्तान सहित कई सीनियर खिलाड़ियों का प्रदर्शन फीका रहा। कुछ खिलाड़ियों ने अच्छा परफॉर्म किया, मगर अपने आक्रामक रवैये की वजह से दिग्वेश राठी जैसे खिलाड़ी को बैन किया गया। दिग्वेश ने सीजन की शुरुआत से ही अपने नोटबुक सेलिब्रेशन के द्वारा सुर्खियां बटोरी थी, हालांकि बीसीसीआई ने बल्लेबाज को उकसाने के लिए उनपर जुर्माना लगाया था, मगर वे नहीं माने थे। अब जब बीसीसीआई ने अभिषेक शर्मा से हुई भिड़ंत के बाद उनपर एक मैच का बैन लगाया, एलएसजी के दूसरे खिलाड़ी ने नोटबुक सेलिब्रेशन कर बीसीसीआई से मजे लिए। यह खिलाड़ी और कोई नहीं बल्कि लखनऊ सुपर जाएंट्स के 23 वर्षीय आकाश महाराज सिंह हैं। आकाश ने नोटबुक सेलिब्रेशन जोस बटलर के विकेट के बाद किया। पारी के 10वें ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने बटलर को क्लीन बोल्ड किया था। यह एलएसजी के लिए काफी बड़ा विकेट था। बटलर 18 गेंदों पर 3 चौके और 2 गगनचुंबी छक्कों के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने मिचेल मार्श के शतक के दम पर निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 235 रन बोर्ड पर लगाए। इस स्कोर का पीछा करने उतरी मेजबान टीम 9 विकेट के नुकसान पर 202 ही रन बना सकी। लखनऊ ने यह मैच 33 रनों से जीता।

एंजेलो मैथ्यूज ने कर दी संन्यास की घोषणा, अगले महीने क्रिकेट के इस प्रारूप को अलविदा कहेंगे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के अनुभवी हरफनमौला एंजेलो मैथ्यूज ने संन्यास की घोषणा कर दी है। वह बांग्लादेश के खिलाफ अगले महीने पहले टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। 37 वर्ष के मैथ्यूज हालांकि सफेद गेंद का क्रिकेट खेलते रहेंगे। उनका आखिरी टेस्ट 17 से 21 जून के बीच गॉल में खेला जाएगा।

मैथ्यूज ने 'एक्स' पर लिखा, 'कृतज्ञ हृदय और अविस्मरणीय यादों के साथ। अब समय आ गया है कि मैं खेल के सबसे अद्भुत प्रारूप से विदा लूं, अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट। बांग्लादेश के खिलाफ जून में पहला टेस्ट देश के लिए मेरा आखिरी टेस्ट

होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं टेस्ट प्रारूप से विदा ले रहा हूं लेकिन सफेद गेंद के प्रारूप में खेलने के लिये उपलब्ध रहूंगा। अब समय आ गया है कि युवा पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट में बागडोर संभाले।' मैथ्यूज ने 2009 में पदार्पण के बाद से 118 टेस्ट में 8167 रन बनाए हैं और श्रीलंका के इतिहास में कुमार संगकारा (12400) और माहेला जयवर्धने (11814) के बाद सबसे ज्यादा रन उन्हीं के नाम है। श्रीलंका क्रिकेट ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट के असल सेवक। 17 वर्ष तक नेतृत्व कुशलता, प्रतिबद्धता और लाल गेंद के क्रिकेट में अविस्मरणीय यादों के लिये शुक्रिया। आपके समर्पण और जुनून ने एक पूरी पीढी को प्रेरित किया। भविष्य के लिए शुभकामनायें । सफेद गेंद के क्रिकेट में आपका योगदान जारी रहने का इंतजार।'

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 का चेन्नई में होगा आयोजन

- 18 से 27 जून को खेला जाएगा पहला संस्करण

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को ऐतिहासिक पहल करते हुए पहली बार आयोजित किए जा रहे हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 के आयोजन की तारीखों और स्थल की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 18 से 27 जून तक चेन्नई में खेला जाएगा और इसका आयोजन तमिलनाडु की हॉकी इकाई द्वारा किया जाएगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खेले जाने वाले इस आयोजन का उद्देश्य अनुभवी खिलाड़ियों को दोबारा मैदान पर लौटने का अवसर प्रदान करना है। इस टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, पुरुष खिलाड़ियों की न्यूनतम आयु 40 वर्ष और महिला खिलाड़ियों की न्यूनतम आयु 35 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागियों को अपनी-अपनी राज्य हॉकी संघों के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता का आयोजन लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में किया जाएगा और पूल का गठन भाग लेने वाली टीमों की संख्या के अनुसार किया जाएगा। हॉकी इंडिया का यह मास्टर्स कप खेल के प्रति जीवनभर समर्पित खिलाड़ियों को न सिर्फ प्रतिस्पर्धा का मौका देगा, बल्कि उनके अनुभव और जुनून को भी सम्मानित करेगा। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। पूर्व भारतीय महिला हॉकी कप्तान असुंता लाकड़ा ने इस अवसर को बेहद खास बताते हुए कहा, 'हॉकी इंडिया मास्टर्स कप का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण है। हॉकी ने मेरे जीवन को आकार दिया है, और मैदान पर वापस लौटने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह टूर्नामेंट केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि हमारे खेल से जुड़े वर्षों के समर्पण और विरासत का उत्सव है।' उन्होंने आगे कहा कि इस आयोजन से न केवल पूर्व खिलाड़ी दोबारा खेल का आनंद ले सकेंगे, बल्कि यह आने वाली पीढ़ी के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बनेगा। हॉकी इंडिया द्वारा पूर्व खिलाड़ियों के लिए इस तरह का मंच तैयार करना भारतीय हॉकी के लिए एक सकारात्मक पहल है।

आरसीबी या पंजाब किंग्स में से कोई एक टीम इस बार आईपीएल जीतेगी : पूर्व मुख्य चयनकर्ता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने 2025 के मौजूदा सीजन में अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीतने के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु या पंजाब किंग्स का समर्थन किया है। RCB और PBKS दोनों ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है और अपने लीग चरण में दो-दो गेम शेष रहते हुए अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों के लिए दावेदारी में हैं।

वर्तमान में RCB दूसरे स्थान पर है और उसका अगला मुकाबला क्रमशः शुक्रवार और 27 मई को लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। दूसरी ओर, श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली PBKS ने 11 साल में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। वे तीसरे स्थान पर हैं और उन्हें शनिवार और 26 मई को जयपुर में क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो मैच खेलने हैं।

वेंगसरकर ने कहा, 'RCB और पंजाब कई सालों से खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इनमें से कोई एक टीम इस बार आईपीएल जीतेगी - यह टीम, फ्रेंचाइजी और मालिकों के लिए बहुत अच्छा होगा।' आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक के अपने सफल आईपीएल 2025 अभियान का श्रेय टीम के गेंदबाजी आक्रमण को दिया और फ्रेंचाइजी को उनके लंबे समय से प्रतीक्षित पहले आईपीएल खिताब तक पहुंचाने के लिए उनका समर्थन किया।

उन्होंने कहा, 'टी20 खेलों में अच्छे, अनुभवी गेंदबाजों का होना, जो विशिष्ट परिस्थितियों में गेंदबाजी करना जानते हों, बहुत मदद करता है। आपका गेंदबाजी समूह आपको मैच जिता सकता है और यहां तक कि

खिताब भी। मुझे लगता है कि इस साल, हमने अच्छी तैयारी की और विशिष्ट क्षेत्रों में हमें जो चाहिए था, उसके आधार पर खिलाड़ियों को चुना। यह अच्छी तरह से काम कर रहा है, और मेरा मानना है कि यह अब तक की हमारी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई रही है।'

मोहम्मद शमी के इंग्लैंड दौरे पर जाने की संभावना कम, मेडिकल रिपोर्ट अच्छी नहीं

नई दिल्ली (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली 5 टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने की संभावना कम बताई जा रही है। शमी, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए गेंदबाजी करने के लिए फिट हैं, ने टेस्ट क्रिकेट की उच्च मांगों के लिए आवश्यक वर्कलोड अभी तक तैयार नहीं किया है। उनकी लाल गेंद के साथ आखिरी टेस्ट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मेडिकल स्टाफ का एक सदस्य इस सप्ताह शमी की फिटनेस का आकलन करने के लिए लखनऊ पहुंचा, जहां शुक्रवार को हैदराबाद का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबला है। यह पुष्टि नहीं हुई है कि चयनकर्ताओं ने शमी को सीरीज के लिए बाहर करने का अंतिम फैसला लिया है या नहीं। हालांकि, संभावना है कि वे जोखिम न लें और मेडिकल स्टाफ से सकारात्मक रिपोर्ट न मिलने पर शमी को टीम से बाहर रखें। 34 वर्षीय शमी एक साल से अधिक समय तक मैदान से दूर रहे, क्योंकि उन्हें टखने की चोट का सामना करना पड़ा। फरवरी 2024 में टखने की सर्जरी से सफलतापूर्वक उबरने के बाद, उन्हें अपने दाहिने घुटने में दर्द की शिकायत शुरू हुई, जिसका वे इलाज करा रहे हैं।

पिछले साल शमी ने घरेलू क्रिकेट में वापसी की और बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए मध्य प्रदेश के खिलाफ सात विकेट लिए। अफवाहें थीं कि वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी करेंगे, लेकिन सीरीज बीत गई और उनकी वापसी नहीं हुई। साल 2025 में शमी को सभी प्रारूपों में भारत के लिए नई गेंद से गेंदबाजी का जिम्मा सौंपा गया था। उन्होंने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा बनकर संयुक्त रूप से दूसरा सबसे ज्यादा विकेट लिया।

शमी ने भारत के लिए 64 टेस्ट में 229 विकेट लिए हैं, जिनका औसत 27.1 है और उनके नाम छह पांच विकेट हॉल हैं। हालांकि 2025 में हैदराबाद के लिए शमी ने 13 ग्रुप-स्टेज मैचों में 56.16 की औसत और 11.23 की इकोनॉमी रेट के साथ छह विकेट लिए हैं। यदि चयनकर्ता शमी को चुनने के खिलाफ जाते हैं, तो उनके पास अन्य विकल्प मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, यश दयाल, अंशुल कंबोज, खलील अहमद और हर्षित राणा जैसे खिलाड़ी इस बहुप्रतीक्षित सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जा सकते हैं।

साई सुदर्शन के सिर से ऑरेंज कैप छीनने को बेताब मिचेल मार्श और जोस बटलर ने किया बड़ा उलटफेर, कोहली को पछाड़ा

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच आईपीएल का 64वां मैच हुआ। एलएसजी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 235/2 का स्कोर बनाने के बाद जीटी को 33 रनों से धूल चटाई। मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप सूची में बड़ा उल्टफेर हो गया। मिचेल मार्श और जोस बटलर ने विराट कोहली को पछाड़ दिया है। मार्श (64 गेंदों में 117, चार चौके पांच सिक्स) शतक ठोककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वे टॉप-10 से बाहर थे। मार्श के खाते में 12 मैचों में 560 रन हो गए हैं। बटलर इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे पायदान पर हैं। उन्होंने 13 मैचों में 533 रन जोड़े हैं। बटलर ने एलएसजी के खिलाफ 18 गेंदों में 33 रन हासिल किए। एलएसजी के निकोलस पूरन तीन स्थान ऊपर चढ़कर सातवें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 13 मैचों में 511 रन जुटाए हैं। पूरन ने अहमदाबाद में 27 गेंदों में नाबाद 56 रनों की पारी खेली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज कोहली तीन स्थान लुढ़ककर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 11 मैचों में 505 रन बनाए हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड के नियमों में होंगे बदलाव

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड यूज़र्स के लिए महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की गई है। ये बदलाव अगले महीने से लागू होंगे। क्रेडिट कार्ड यूज़र्स को ऑटो-डेबिट, यूटिलिटी बिल पेमेंट और अंतरराष्ट्रीय ट्रांजैक्शन जैसी सेवाओं से जुड़ी शर्तों में कई बदलावों का सामना करना पड़ेगा। अब ऑटो-डेबिट पेमेंट में फेल होने पर 2 फीसदी या 450 रुपए तक जुर्माना लगेगा। हर स्टेटमेंट साइकिल में सीमा से अधिक यूटिलिटी बिल भुगतान करने पर 1 फीसदी चार्ज लगेगा। अपने खर्च की सीमा पर नजर रखकर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क से बचना होगा। इंटरनेशनल ट्रांजेक्शनों और शिक्षा से संबंधित भुगतानों पर भी नए शुल्क लागू होंगे। विवरण बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान के वन विभाग के साथ एमओयू किया

जयपुर। जिंक का उत्पादन करने वाली कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने उदयपुर के बाघदड़ा नेचर पार्क में मगरमच्छ संरक्षण रिजर्व को विकसित करने और विस्तार देने के लिए राजस्थान के वन विभाग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार इसके तहत पार्क के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए पांच करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी की विज्ञप्ति में कहा गया है` कि इस साझेदारी का प्राथमिक उद्देश्य मगरमच्छों के लिए प्राकृतिक आवास को बढ़ाना, जल संरक्षण उपायों को लागू करना और स्थायी इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु आगंतुकों के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने कहा, 'इस परियोजना का उद्देश्य ऐसा स्थान बनाना है जो संरक्षण और पर्यटन दोनों को बढ़ावा दे ताकि वन्यजीवों व स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ हो।

भारत में हीरे के आभूषणों की खपत 2030 तक दोगुनी होगी-डी बियर्स

मुंबई। हीरे कंपनी डी बियर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा है कि भारत में 2030 तक हीरे के आभूषणों की खपत दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में हीरे के आभूषणों की मांग में दहाई अंक की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा` कि भारत वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक हीरे के आभूषणों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। हम उसके भविष्य पर पूरा भरोसा रखते हैं। डी बियर्स की योजना है कि वे अगले कुछ महीनों में भारत में फॉरएवरमार्क के चार स्टोर खोलेंगे, जिनमें से दो दिल्ली में और दो मुंबई में स्थापित होंगे। उनका उद्देश्य है कि पांच साल के भीतर वे पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलें। इसके साथ ही वे ऑनलाइन बाजार में भी अपने पैर जमाने का प्लान बना रहे हैं। डी बियर्स इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी की योजना में बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शहरों में भी स्टोर्स खोलने की योजना है। इससे उन्हें भारतीय बाजार में और भी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त होगा।

निफ्टी मीडिया सेक्टर में बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली। हाल ही में निफ्टी मीडिया सेक्टर ने एक अहम रेजिस्टेंस लेवल को पार कर लिया है, विशेषज्ञों के अनुसार भविष्य में इस सेक्टर में और भी बढ़ोतरी हो सकती है। निफ्टी मीडिया इंडेक्स की कीमत 1,740 तक पहुंच सकती है और बाद में 1,870 तक जा सकती है। स्टॉक नेटवर्क 18 मीडिया एक खास ब्रेकआउट पैटर्न बना रहा है, जिसे एडम और ईव पैटर्न कहा जा रहा है। यदि इस स्टॉक की कीमत 48 के सपोर्ट लेवल के पार रहती है, तो यह 54 से 56 रुपए तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही निफ्टी डिफेंस सेक्टर भी अच्छे प्रदर्शन के संकेत दे रहा है, जिसे कोचीन शिपयार्ड ने ब्रेकआउट किया है। विशेषज्ञ की सलाह है कि नेटवर्क 18 मीडिया को 50 रुपए के करीब खरीदना चाहिए और 48 रुपए पर स्टॉप लॉस रखना चाहिए। कोचीन शिपयार्ड को 1,884 से 1,890 रुपए के दायरे में खरीदना होगा।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय मंत्री गोयल ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत तेजी से जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक के साथ हाल ही में हुई बैठक में समझौते पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

दोनों देशों के बीच समझौते के पहले चरण को वर्ष 2025 की तय समयसीमा से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, ÷सचिव लटनिक के साथ एक रचनात्मक बैठक हुई। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका अपने व्यवसायों और नागरिकों के लिए बेहतर अवसर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए जो समझौता तैयार हो रहा है, उसमें टैरिफ यानी आयात-निर्यात शुल्क में कटौती का विशेष ध्यान रखा गया है। इससे दोनों देशों को व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी और उद्यमियों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का बेहतर मौका मिलेगा। गोयल ने बताया कि भारत की युवा और आकांक्षी जनसंख्या, जो आने वाले 25-30 वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं की भारी मांग पैदा करेगी, अमेरिका के लिए एक बड़ा बाज़ार है। गोयल ने कहा, ÷हम मानते हैं कि भारत अमेरिका के साथ एक मजबूत व्यापार समझौता करने के लिए बेहद उपयुक्त स्थिति में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संयुक्त बयान में वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

इस दिशा में यह संभावित व्यापार समझौता एक बड़ी पहल मानी जा रही है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत ने अमेरिकी सामानों पर सभी टैरिफ हटाने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि वे समझौते को अंतिम रूप देने को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं हैं।

ट्रंप की टैरिफ नीति से सम्बंधित घोषणाओं से बाजार में उतार-चढ़ाव

ग्लोबल शेयर बाजारों में एक बड़ा ब्रेकआउट देखने को मिला

नई दिल्ली।

बीते कुछ हफ्तों में दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इसकी वजह थी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से जुड़ी घोषणाएं। अब ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल टैरिफ को लेकर जो डर बना हुआ था, वो अब खत्म होता दिख रहा है। इसकी वजह ये है कि कई देश अब अमेरिका के साथ बातचीत की मेज़ पर हैं। जेफरीज में ग्लोबल इक्विटी स्ट्रैटेजी प्रमुख ने अपनी हाल की रिपोर्ट कहा है कि अमेरिकी शेयर बाजार अब अपने अच्छे दौर को पार कर चुका है और आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर की कीमत में गिरावट देखने को मिल सकती है। उनके मुताबिक, ग्लोबल शेयर बाजारों में अब एक बड़ा ब्रेकआउट देखने को मिला है। उनके अनुसार ट्रंप की नीतियों ने यूरोप को जागरूक किया है। इसका ताजा सबूत है जर्मनी का घोषणा करना कि वह अपनी डिफेंस खर्च को जीडीपी के 5 प्रतिशत तक बढ़ाएगा। उनका मानना है कि बैंकिंग और डिफेंस क्षेत्र के शेयर यूरोपीय शेयर बाजार में निवेश के लिए जरूरी हैं। पहले जो सलाह दी गई थी कि यूरोपीय डिफेंस शेयर खरीदें और अमेरिकी डिफेंस शेयरों को बेचें, वह अब भी सही साबित हो रही है। मूडीज़ द्वारा अमेरिका की रेटिंग घटाने का बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा, क्योंकि पहले से ही एसएंडपी और फिच एजेंसियां अमेरिका की रेटिंग कम कर चुकी थीं। हाल के हफ्तों में टैरिफ्स के बार-बार बदलने से यह अनिश्चितता और बढ़ी है, जिससे डॉलर की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

रिलायंस, एचडीएफसी और कंज्यूमर शेयरों के बदौलत दौड़ा बाजार

मुंबई।

एशियाई बाजारों से मजबूत संकेत के बाद भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स शुक्रवार को करीब 1 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। रिलायंस, एचडीएफसी और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और कंज्यूमर शेयरों में बढ़त से बाजार को बूस्ट मिला।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मामूली गिरावट के साथ 80,897 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 81,905.17 अंक तक चढ़ गया था। अंत में यह 769.09 अंक चढ़कर 81,721.08 पर बंद हुआ। सन फार्मा को छोड़ सेंसेक्स की सभी 29 कंपनियां हरे निशान में रही। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 24,639.50 अंक के लेवल पर खुला। बाद में इसमें तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान यह 24,909.05 अंक तक पहुंचा था। अंत में यह 243.45 अंक की मजबूती के साथ 24,853.15 पर बंद हुआ।

ब्रोडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स क्रमशः 0.64 प्रतिशत और 0.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी एफएमसीजी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स ने दूसरों से बेहतर प्रदर्शन किया। ये क्रमशः 1.63 प्रतिशत और 1.08 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, पीएसयू बैंक, तेल और गैस और रियल्टी भी बढ़त में रहे। इसमें 0.95 प्रतिशत तक की तेजी आई।

शेयर बाजार के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को सन फार्मा (1.84 प्रतिशत की

गिरावट) को छोड़कर सेंसेक्स के अन्य सभी 29 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। इसमें इटरनल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और नेस्ले इंडिया के शेयरों में 3.51 प्रतिशत से 1.83 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

एशियाई बाजार शुक्रवार को ऊंचे स्तर पर खुले। निवेशकों ने क्षेत्रभर से आए आर्थिक आंकड़ों की समीक्षा की। जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.80 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक 0.71 प्रतिशत ऊपर रहा। कोस्पी 0.12 प्रतिशत बढ़ा और एएसएक्स 200 में 0.36 प्रतिशत की हल्की बढ़त दर्ज की गई। जापान में अप्रैल महीने में मुख्य मुद्रास्फीति (कोर इन्फ्लेशन) 3.5 प्रतिशत तक बढ़ गई।

इसकी एक बड़ी वजह चावल की कीमतों में तेज़ी रही। यह आंकड़ा सरकार की तरफ से शुक्रवार को जारी किया गया। यह डेटा बैंक ऑफ जापान की मौद्रिक नीति को और जटिल बना सकता है। वह मौजूदा अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों के बीच दरों में संभावित विराम पर विचार कर रहा है।

अदाणी समूह पूर्वोत्तर में एक लाख करोड़ का निवेश करेगा- गौतम अदाणी

नई दिल्ली।

भारतीय उद्योगपति और अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने पूर्वोत्तर भारत में हरित ऊर्जा और सड़क निर्माण के साथ-साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए अगले 10 वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। उन्होंने यह निवेश पूर्वोत्तर राज्यों में स्मार्ट-मीटर, हायड्रो पंप स्टोरेज, विद्युत पारेषण, लॉजिस्टिक्स, और क्षमता-निर्माण के माध्यम से हरित ऊर्जा का विस्तार करने के लिए किया जाएगा। इससे पहले अदाणी समूह ने असम में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की थी। उन्होंने स्थानीय नौकरियों, उद्यमिता, और सामुदायिक जुड़ाव को महत्व देने का भी ऐलान किया। इस समीक्षा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उनके समर्थन को प्रकट किया और अदाणी समूह को उद्यमिता और अभियानों में अपना समर्थन दिया। अदाणी ने कहा कि यह निवेश सिर्फ नीति नहीं है, बल्कि यह सबका साथ-सबका विकास के मूलमंत्र को भी प्रकट करता है। उन्होंने परिवर्तन और विकास के लिए हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया और पूर्वोत्तर के लोगों को उनके सपनों में साझेदारी का मौका देने का दावा किया।

अडाणी और अंबानी मिलकर करेंगे पूर्वोत्तर भारत में भारी निवेश

25 लाख लोगों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली।

भारत के दो बड़े उद्योग समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी ग्रुप ने पूर्वोत्तर भारत में भारी निवेश का ऐलान किया है। दोनों कंपनियां इस क्षेत्र में 1.25 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगीं। यह घोषणा राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में की गई। नॉर्थईस्ट में अडानी ग्रुप 50,000 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करेगा। इससे पहले फरवरी में उन्होंने असम में 50,000 करोड़ रुपए निवेश करने का वादा किया था। अडानी ग्रुप का पूर्वोत्तर में कुल निवेश एम लाख करोड़ हो जाएगा।

मुकेश अंबानी ने नॉर्थईस्ट के लिए एक बड़ा सपना दिखाया है। उन्होंने छह महत्वपूर्ण वादे किए हैं, जिनसे अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड जैसे राज्यों का विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ये क्षेत्र सिंगापुर की तरह सफल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि रिलायंस ने पिछले 40 सालों में पूर्वोत्तर में 30,000 करोड़ का निवेश किया है। अब कंपनी इसे दोगुना करके 75,000 करोड़ करने की योजना बना रही है।

उन्होंने कहा कि रिलायंस इस क्षेत्र के 4.5 करोड़ लोगों के जीवन को बेहतर बनाना चाहता है। इससे 25 लाख से ज्यादा लोगों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। जियो ने पहले ही इस क्षेत्र की 90 फीसदी आबादी को कवर किया है और उसके 50 लाख 5जी ग्राहक हैं। कंपनी अगले एक साल में इस संख्या को दोगुना कर देगी।

अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी की पहली प्राथमिकता एआई की ताकत को हर स्कूल, अस्पताल, बिजनेस और घर तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि जब हुनर तकनीक से मिलेगा और योग्यता कनेक्टिविटी से जुड़ेगी, तो हमारा पूर्वोत्तर तेजी से आगे बढ़ेगा।

रिटेल के क्षेत्र में रिलायंस स्थानीय किसानों की मदद के लिए अनाज, फल और सब्जियों की खरीद बढ़ाएगी। कंपनी एफएमसीजी फैक्ट्रियां लगाएगी और इस क्षेत्र की कला और शिल्प को बढ़ावा देगी। क्लीन एनर्जी सेक्टर में रिलायंस सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़ाएगी और 350 इंटीग्रेटेड कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाएगी। इससे बेकार पड़ी जमीन को उपयोगी बनाया जाएगा।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने अगले 10 सालों में 50,000 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करने का वादा किया है। उन्होंने पीएम मोदी के उस सपने की तारीफ की, जिसमें उन्होंने इस क्षेत्र को भारत की आर्थिक योजनाओं के केंद्र में रखा है। अडानी ने कहा कि उनकी कंपनी का नया निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे इस क्षेत्र का विकास होगा और लोगों को फायदा होगा।

नारियल तेल की कीमतें एक साल में 40 फीसदी तक बढ़ी

मुंबई। कच्चे माल, खासकर खोपरा की कीमतों में जबरदस्त तेजी की वजह से बीते एक साल में नो रियल की कीमतों में 30 से 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मारिको और डाबर जैसी नामी कंपनियों ने कीमतें बढ़ाई हैं। मारिको, जो पैराशूट ब्रांड के नारियल तेल के लिए जानी जाती है, ने करीब 30 फीसदी तक कीमतें बढ़ाईं, क्योंकि खोपरे की कीमतों में 40-50 फीसदी की उछाल आई है। कंपनी के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि अब कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है लेकिन किसी अप्रत्याशित घटना से फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। डाबर ने भी बीते 3-6 महीनों में नारियल तेल के दामों में लगभग 10 फीसदी तक इजाफा किया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के मुताबिक, लागत को संतुलित करने के लिए उन्होंने वैल्यू इंजीनियरिंग और रणनीतिक मूल्य वृद्धि का सहारा लिया है। दुनियाभर में नारियल तेल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार फिलीपींस के नारियल तेल की थोक कीमत रोटरडम में इस महीने 2,700 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के पार पहुंच गई, जो 2000-2020 के औसत से करीब 200 फीसदी ज्यादा है। इसका मुख्य कारण है- दक्षिण-पूर्व एशिया में खराब मौसम, जिससे नारियल उत्पादन प्रभावित हुआ। वर्तमान में कीमतें स्थिर हैं लेकिन खराब मौसम, वैश्विक मांग या आपूर्ति संकट जैसी परिस्थितियां फिर से कीमतों को बढ़ा सकती हैं।

आरबीआई ने मार्च में क्यों की डॉलर की जमकर खरीदी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मार्च में डॉलर की जमकर खरीदारी की और इसकी वजह रही केंद्रीय बैंक की विदेशी मुद्रा बाजार में मासिक शुद्ध खरीदारी चार साल के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए फॉरेक्स स्वैप किए। जनवरी से मार्च के बीच आरबीआई ने तीन डॉलर-रुपये खरीद-बिक्री स्वैप किए, जिनकी कुल राशि 25 बिलियन डॉलर थी। इस प्रकार के स्वैप में, केंद्रीय बैंक रुपये के बदले डॉलर खरीदता है। इन तीन नीलामियों में से दो नीलामियों की राशि 10-10 बिलियन डॉलर थी, जो मार्च में पूरी की गई।

आरबीआई द्वारा जारी मासिक बुलेटिन के मुताबिक मार्च में केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा बाजार में शुद्ध रूप से 14.4 बिलियन डॉलर खरीदे, जबकि फरवरी में 1.6 बिलियन डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। यह जून 2021 के बाद की सबसे बड़ी शुद्ध खरीद है। मार्च महीने में, आरबीआई ने कुल 41.5 बिलियन डॉलर खरीदे और 27.2 बिलियन डॉलर की बिक्री की। इसी दौरान भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 2.3 प्रतिशत मजबूत हुआ। मार्च के अंत तक आरबीआई की शुद्ध अग्रिम बिक्री घटकर 84.4 बिलियन डॉलर रह गई, जो फरवरी में 88.7 बिलियन डॉलर थी। अग्रिम बुक में गिरावट दिखाती है

कि आरबीआई को डॉलर शॉर्ट पोजिशन को या तब रोल ओवर करना होगा या न्यूट्रलाइज करना होगा, ताकि बैंकिंग प्रणाली की तरलता पर असर न पड़े।

एक अर्थशास्त्री ने बताया, 'अगर मार्च में आरबीआई ने 20 बिलियन डॉलर का स्वैप नहीं किया होता, तब शुद्ध आंकड़ा नकारात्मक (शुद्ध बिक्री) होता। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई का हस्तक्षेप सीधे बैंकिंग प्रणाली की तरलता को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि चूंकि आरबीआई अभी भी रेपो दर में कटौती के असर को प्रणाली में पहुंचाने पर केंद्रित है, इसलिए यह संभावना नहीं है कि वह अग्रिम बुक में बहुत बड़ी कटौती करेगा, हालांकि पूंजी प्रवाह के आधार पर इसमें मामूली कमी आ सकती है।

दूध-तेल के दाम आसमान पर, दाल और सब्जियों ने दी राहत

खाने के तेल के दाम में भी 10 से 20 रुपये प्रति लीटर तक की तेजी

नई दिल्ली।

भारत में दूध और खाने के तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। जून 2021 से अब तक दूध के भाव में 13 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। दूध के अलावा दही, पनीर, छाछ जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स भी महंगे हो रहे हैं। वहीं, खाने के तेल के दाम भी सितंबर 2023 से लगातार चढ़ रहे हैं। इनकी कीमतों में 10 से 20 रुपये प्रति लीटर तक की तेजी आई है। हालांकि, दालों, फलों और सब्जियों के दामों में ज्यादा उछाल नहीं आया है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। आरबीआई के मुताबिक औसत महंगाई काबू में है, लेकिन कुछ चीजों के दाम आग की तरह बढ़ रहे हैं। खासकर, मूंगफली, सरसों, और सूरजमुखी के तेल के भाव आसमान पर हैं। पिछले एक साल में खाद्य तेल के सूचकांक में 25 अंक से ज्यादा की छलांग लगी है। वहीं, डेयरी प्रोडक्ट्स के सूचकांक में भी 30 अंक की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, अनाज, चीनी, दाल, और सब्जियों के दामों में गिरावट ने लोगों के हौसले बनाए रखे हैं। सूरजमुखी का तेल 130 से 159.2 रुपये/किलो, सरसों 152 से 170.8 रुपये/किलो, मूंगफली 182 से 190.4 रुपये/किलो वहीं उड़द की दाल 117 रुपये/किलो, मूंग 111.1 रुपये/किलो, मसूर 87.7 रुपये/किलो, चना 86.3 रुपये/किलो हो गई हैं।

सोने के भाव 95,650 रुपए प्र ति दस ग्राम, चांदी 98000 के पार

नई दिल्ली।

भारत के सराफा बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,650 रुपये, जबकि चांदी के भाव 98,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 21 रुपये की तेजी के साथ 95,557 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,536 रुपये था। इस समय यह 120 रुपये की तेजी के साथ 95,656 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 101 रुपये की तेजी के साथ 97,897 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 97,796 रुपये था। इस समय यह 169 रुपये की तेजी के साथ 97,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,295.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,295 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.90 डॉलर की तेजी के साथ 3,297.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.18 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.219 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 33.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बोनस शेयर देने का किया फैसला

कंपनी पांचवी बार निवेशकों को बोनस शेयर देगी

नई दिल्ली।

सरकारी कंपनी कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी पांचवी बार निवेशकों को बोनस शेयर देगी। कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। पीएसयू स्टॉक कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। यानी योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 40 प्रतिशत का फायदा होगा। इस डिविडेंड के कंपनी ने 6 जून की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। 22 मई को एक्सचेंज को कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया था कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले 4 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने अभी रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। इससे पहले कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने 2008 में निवेशकों को बोनस

शेयर दिया था। तब कंपनी को एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया था। दूसरी बार कंपनी ने 2013 में 2 पर एक शेयर बोनस दिया था। वहीं, तीसरी बार 2017 में और चौथी बार 2019 में बोनस शेयर दिया था। आखिरी दोनों बार कंपनी ने 4 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर ही दिया है।

मध्यम वर्ग के इंसान हैं शाहरुख

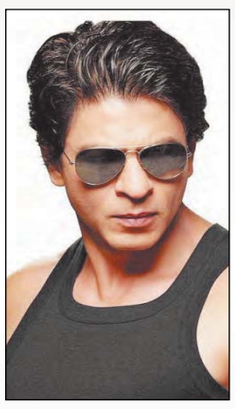

शाहरुख खान बॉलीवुड के सबसे बड़े अभिनेताओं में से एक हैं। रोमांस के बादशाह दशकों से इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। हर कोई उनकी दौलत के बारे में जानता है। हालांकि उनके करीबी लोगों को पता है कि वह दिल से मध्यम वर्गीय हैं। हाल ही में, रा वन के निर्देशक अनुभव सिन्हा ने बताया कि शाहरुख खान अपने परिवार को खुश देखकर खुश होते हैं। यह उनकी अब तक की सबसे मध्यम वर्गीय बात है।

मध्य वर्गीय हैं शाहरुख खान

शाहरुख खान भले ही दुनिया पर राज कर रहे हों लेकिन वह ऐसे व्यक्ति भी हैं जो अपने बच्चों के लिए खाना बनाना, उनके हाई-स्कूल ड्रामा सुनना और जब भी संभव हो अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना पसंद करते हैं। फेय डिसूजा के साथ बातचीत करते हुए निर्देशक अनुभव सिन्हा ने कहा कि शाहरुख दिल से एक मध्यम वर्गीय हैं। परिवार को देखकर खुश होते हैं शाहरुख अनुभव सिन्हा ने कहा कि उन्होंने शाहरुख को जब यह बताया कि वह मध्य वर्गीय हैं तो उन्होंने अजीबोगरीब हंसी के साथ इस पर सहमति जताई। अनुभव सिन्हा ने कहा कि खान के पास दुनिया का सारा पैसा है, लेकिन यह ऐसी चीज नहीं है जो उन्हें खुश करती है। अनुभव सिन्हा ने कहा क्या आपकी बहन की खुशी आपको खुश करती है? उन्होंने आगे कहा कि मध्यम वर्ग का यह सितारा अपनी बहन शहनाज और अपने बच्चों को मुस्कुराते हुए देखकर खुश होता है।

शाहरुख खान के बारे में जानना सौभाग्य की बात

निर्देशक के अनुसार जिस तरह से कुछ कुछ होता है का अभिनेता अपने परिवार की देखभाल करता है वह उसी तरह हैं। सिन्हा ने खान के बारे में में कहा, एक ऐसा व्यक्ति होना मुश्किल है जो सार्वभौमिक रूप से लोकप्रिय हो और जड़ और जमीन से जुड़ा हो। अपनी फिल्म रा वन के निर्माण के दौरान निर्देशक शाहरुख से कहते रहे कि फिल्म बनाने से ज्यादा उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानना एक सौभाग्य की बात है।

कला, प्रसिद्धि और आत्म-अभिव्यक्ति पर कावेरी कपूर की राय

कावेरी कपूर भले ही जेनरेशन ज़ी से हों, लेकिन वह एक आम जेन ज़ी कलाकार नहीं हैं। फिल्म निर्देशक शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा है, लेकिन उन्होंने अपने समकालीनों से एक अलग राह चुनी है, जो उनके साथियों की तुलना में काफी अलग है। फिल्मों में आने से पहले ही कावेरी एक स्थापित संगीतकार और कवित्री थीं। उनके चार म्यूज़िक वीडियो पहले से ही रिलीज़ हो चुके थे! अपने पिता की तरह गहराई से सोचने वाली कावेरी को अपने प्रतिभाशाली माता-पिता से भरपूर प्रेरणा मिलती है, और यही बात उन्हें एक ओल्ड सोल बनाती है, जैसा कि वह खुद कहती हैं। एक मशहूर उपनाम और डेब्यू के बाद बढ़ती फैन-फॉलोइंग के बावजूद कावेरी बेहद ज़मीन से जुड़ी हुई नज़र आती हैं। उनकी बातचीत अक्सर उनके संगीत और कविताओं के ज़रिए खुद को अभिव्यक्त करने के तरीके पर केंद्रित होती है वह एक कलाकार की तरह बात करती हैं, न कि किसी सेलिब्रिटी की तरह। जब उनसे उनकी प्रसिद्धि के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि जब लोग मेरा संगीत सुनें या मेरी कविताएं पढ़ें, तो उन्हें कुछ सच्चा महसूस हो। मैं चाहती हूं कि वे उस किरदार से जुड़ सकें जिसे मैं निभा रही हूं। मैं चाहती हूं कि मेरे प्रोजेक्ट्स देखने वाले लोग मुझसे एक असली रिश्ता बना पाएं। यही वह प्रसिद्धि है जिसके लिए मैं जानी जाना चाहती हूं। अपने साथियों से अलग, कावेरी का आत्म-अभिव्यक्ति का तरीका बेहद सादा है। अपनी एक अलग राह बनाना, अपनी प्रतिभा से, न कि हर रोज़ बदलते ट्रेंड्स की भीड़ का हिस्सा बनकर। कावेरी कहती हैं, मुझे लगता है कि खुद को नेचुरल बनाए रहना सबसे विद्रोही काम है जो आप अभी कर सकते हैं, उन्होंने कई बार ओसीडी के साथ अपने संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। और चूंकि जेन ज़ी के लिए आज सबसे अहम बात है किसी से जुड़ाव और अपनापन महसूस करना, ऐसे में कावेरी की सलाह को परिपक्व कहा जा सकता है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ लोग शॉर्टकट लेकर जल्द से जल्द फल पाने की होड़ में लगे हैं, कावेरी कपूर की योजना है कुछ सच्चा बनाना — धीरे, स्थिरता से, लेकिन लंबे समय तक टिकने वाला।

सामंथा और राज लिव-इन में रहने का बना रहे प्लान? एक घर में होंगे शिफ्ट!

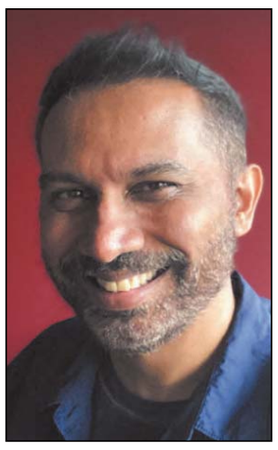

सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू अपने रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। डायरेक्टर-एक्ट्रेस की जोड़ी ने द फैमिली मैन सीजन 2 और सिटाडेल हनी बनी जैसी वेब सीरीज में साथ काम किया है। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि सामंथा और राज एक साथ रहने लगे हैं और वे एक घर की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, यह खबर झूठी निकली। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, सामंथा के मैनेजर ने इसे अफवाह बताया। इससे पहले एक सूत्र ने पिंकविला को बताया था, सामंथा रुथ प्रभु और राज एक साथ रहने पर विचार कर रहे हैं और प्रॉपर्टी की तलाश कर रहे हैं। उनका इरादा साथ रहने का है और वे इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज ने 2022 में श्यामाली से आधिकारिक रूप से तलाक ले लिया और सिटाडेल के लिए साथ में काम करने के बाद उन्हें सामंथा में प्यार मिल गया।

राज की नहीं है कोई बेटी!

सूत्र ने कहा, इस बीच राज को उनकी बेटी के साथ देखे जाने की खबरें झूठी हैं। उनकी कोई बेटी नहीं है और जिस बच्ची के साथ उन्हें देखा गया, वह उनके को-डायरेक्टर कृष्णा डीके की बेटी है।

सामंथा शेयर करती हैं राज संग फोटोज

सामंथा इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करती रही हैं, जिसमें वह राज के साथ समय बिताती नजर आती हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन फैंस कह रहे हैं कि एक्ट्रेस के सोशल मीडिया पोस्ट से यह पुष्टि होती है कि वे डेटिंग कर रहे हैं।

सामंथा की तरफ से राज के साथ तस्वीरें पोस्ट करने के बाद फिल्म निर्माता की पत्नी श्यामाली डे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था। इसमें लिखा था, मैं उन सभी को आशीर्वाद और प्यार भेजती हूं, जो मेरे बारे में सोचते हैं, मुझे देखते हैं, मुझे सुनते हैं, मेरे बारे में सुनते हैं, मुझसे बात करते हैं, मेरे बारे में पढ़ते हैं, मेरे बारे में लिखते हैं और आज मुझसे मिलते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज और श्यामाली का तलाक 2022 में गया। हालांकि, वैलेंटाइन डे 2023 पर श्यामाली ने अपने पति के लिए एक रोमांटिक पोस्ट शेयर किया था।

पलक तिवारी ने कथित बॉयफ्रेंड इब्राहिम का किया सपोर्ट

अभिनेत्री पलक तिवारी अपने कथित बॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान के समर्थन में सामने आई हैं। हाल ही में पाकिस्तानी आलोचक ने इब्राहिम की पहली फिल्म नादानियां का मजाक उड़ाया था। आलोचक ने उनके लुक, खास तौर पर उनकी नाक पर टिप्पणी की थी। आलोचक की आलोचना करते हुए पलक ने बॉडी शेमिंग पर बात की। उन्होंने बाताया कि कैसे सेलेब्स से नफरत करना बाजार में नया चलन बन गया है।

सेलिब्रिटी से नफरत एक चलन

पलक तिवारी ने नयनदीप रक्षित के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान कहा अगर कोई एक चीज है जो सेलिब्रिटी से ज्यादा बिकती है, तो वह है सेलिब्रिटी को कोसना। हम ऐसे समय में हैं जहां आम तौर पर स्टार्स के प्रति नफरत है।

पलक तिवारी ने पूछा सवाल

पलक ने आगे कहा आप सबसे पहले हमारी खूबसूरती पर ध्यान देते हैं। फिर जब कोई व्यक्ति अपने सौंदर्य के साथ कुछ करता है और उसे बदलवाता है, तो आप कहते हैं, आप ऐसा क्यों करेंगे? पहले आप किसी व्यक्ति को उसके रूप-रंग के लिए शर्मिंदा करते हैं। फिर जब वह अपनी असुरक्षा और अपने आस-पास की नफरत के कारण इसे ठीक करने की कोशिश करता है तो आप उसे क्यों कोसते हैं?

पलक ने कहा यह किसी व्यक्ति के लिए सबसे असंतोषजनक स्थिति हो सकती है। यह एक चक्र है। वे मूल रूप से केवल आपकी आलोचना करना चाहते हैं। यह आपकी नाक, आपके बाल, आपके शरीर का वजन, आपका प्रदर्शन कुछ भी हो सकता है। अगर इनमें से आपका कुछ भी खराब नहीं है तो आप बहुत भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

इब्राहिम की नाक का मजाक

आपको बता दें कि इब्राहिम अली खान की फिल्म नादानियां 7 मार्च को रिलीज हुई थी। पहली फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें बुरी तरह से ट्रोल किया गया था। तब तमूर इकबाल नाम के एक पाकिस्तानी फिल्म समीक्षक ने अपने सोशल मीडिया पर स्टार किड और उनकी बड़ी नाक का मजाक उड़ाया था।

लस्ट स्टोरी 3 में दिखाई देंगे राधिका और कोंकणा सेन

ल स्ट स्टोरी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की सबसे चर्चित और लोकप्रिय वेब सीरीज में से एक हैं। अब तक इसके 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला। लस्ट स्टोरी के तीसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है। खबर यह है कि लस्ट स्टोरी 3 के लिए राधिका आप्टे और कोंकणा सेन शर्मा ने पहली बार हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... सीरीज के एक पार्ट में राधिका और कोंकणा नजर आएंगी। इस पार्ट का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी करने वाले हैं। सीरीज की कहानी तैयार हो चुकी है और इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। इसमें अभिषेक बनर्जी भी नजर आएंगे। बता दें कि राधिका पहले ही लस्ट स्टोरी के एक पार्ट में नजर आ चुकी हैं, वहीं लस्ट स्टोरी 2 के एक पार्ट का निर्देशन कोंकणा ने किया था। लस्ट स्टोरी को 15 जून 2018 को रिलीज किया गया था।

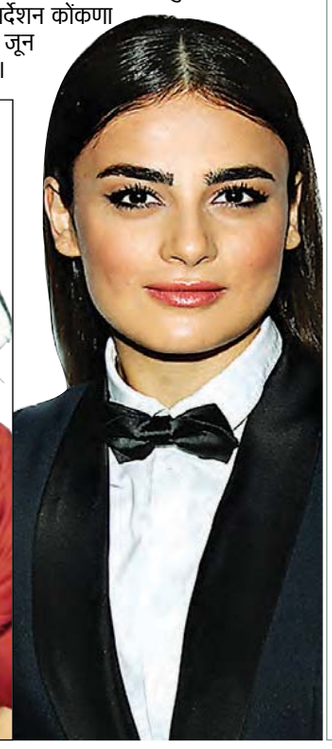

एक्ट्रेस से निर्माता बनीं ये अभिनेत्रियां

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में कई अभिनेत्रियों ने न सिर्फ अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि निर्माता बनकर भी इंडस्ट्री में नया मुकाम हासिल किया। आइए, ऐसी ही कुछ टैलेंटेड अभिनेत्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने प्रोडक्शन के क्षेत्र में कदम रखा।

आलिया भट्ट

आलिया ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद आलिया ने कई सफल फिल्में दीं, जिनमें उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी कई फिल्में शामिल हैं। अभिनय के कुछ समय बाद आलिया ने फिल्म डार्लिंग्स के साथ बतौर निर्माता अपनी नई पारी की शुरूआत की। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग और प्रोडक्शन दोनों को खूब सराहा गया।

नयनतारा

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार नयनतारा ने अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया। हाल ही में नयनतारा ने बतौर निर्माता फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की घोषणा इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में लिखा, आओ प्यार में पड़ें, इस त्यौहार के मौसम में... प्यार के त्यौहार। इस फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, एसजे सूर्या और कृति शेट्टी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण नयनतारा ने किया है।

अनुष्का शर्मा

रब ने बना दी जोड़ी फिल्म से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अनुष्का शर्मा ने बैंड बाजा बारात, पीके, संजू, सुल्तान और ऐ दिल है मुश्किल जैसी कई सफल फिल्मों में अभिनय किया। इसके बाद अनुष्का ने बुलबुल जैसी शानदार फिल्म बनाकर प्रोडक्शन में अपनी खास जगह बनाई। हालांकि, यह फिल्म उतनी नहीं चली।

करीना कपूर खान

करीना ने फिल्म रिफ्यूजी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद करीना ने वरू, सिंघम अगेन, गोलमाल और भी कई बेहतरीन फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। एक्टिंग के साथ-साथ करीना ने फिल्म द बकिंघम मर्डर्स के साथ प्रोडक्शन में कदम रखा। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और प्रोडक्शन की समझ को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in